



मां कात्यायनी को शक्ति, पराक्रम और धर्म की रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, उन्होंने महिषासुर का वध किया था। सिंह पर सवार उनकी दिव्य छवि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देती है। भक्त मनोकामना पूर्ति, साहस और वैवाहिक सुख के लिए इनकी पूजा करते हैं।

संक्षिप्त

समाचार

एक्टर इमरान खान को भारत छोड़ने का नोटिस

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर इमरान खान को मुंबई पुलिस ने नोटिस जारी कर 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। इमरान 10 अक्टूबर को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इसके बाद मुंबई पुलिस ने इमरान खान को हिरासत में भी लिया था। वे 22-23 जुलाई को नीट पेपर लीक के विरोध में हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में भी शामिल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान भारतीय नहीं, अमेरिकी नागरिक हैं और विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इस मामले में उनके खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

अतीक-अशरफ जहां पैर रख दें, जमीन उनकी हो जाती थी

प्रयागराज (एजेंसी)। सीएम योगी ने गुरुवार को प्रयागराज में कहा- 2017 से पहले प्रदेश में माफिया हावी थे। उन्होंने जिस जमीन पर पैर रख दिया, वह अतीक की हो गई।



अशरफ की हो गई। अब जिस जमीन पर सरकार ने बोल दिया कि ये माफिया की नहीं है, यहां गरीबों के लिए आशियाने बनने हैं। वहां गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं। योगी ने ये बातें

सातक मतदाता सम्मेलन में कही। सीएम योगी ने कसारी-मसारी क्षेत्र में माफिया अतीक अहमद और उसके गुर्गों के कब्जे से मुक्त कराई गई सरकारी जमीन पर बनने वाले प्लेटों का भूमिपूजन किया। इस दौरान मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री नंदी भी मौजूद रहे।

अकिता भंडारी मर्डर केस-माता-पिता का दिल्ली में धरना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे उनके माता-पिता को पुलिस ने गुरुवार सुबह इंडिया गेट से करीब 3:45 बजे हिरासत में ले लिया। करीब दो घंटे बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और अन्य कार्यकर्ताओं को भी यहीं से हिरासत में लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने सीआरपीएफ के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। सभी प्रदर्शनकारियों को तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन



में रखा गया है। अकिता उत्तराखंड के एक होटल में रिसेप्शनिस्ट थी। साल 2022 में एक वीडियो को विशेष सेवाएं देने से इनकार के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। संबंधित वीडियो की पहचान सार्वजनिक नहीं है। पिता बोले- दुष्कृत की नियुक्ति रद्द नहीं हुई तो फिर धरना देगे- दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने पर अकिता भंडारी के पिता ने कहा, अगर मेरी बेटी को इसाफ नहीं मिला, तो पूरे देश में प्रदर्शन होंगे। हमारी सबसे पहली मांग है कि दुष्कृत गौतम की नियुक्ति रद्द की जाए। और अगर नियुक्ति रद्द नहीं की गई, तो हमें एक बार फिर पूरे देश में सड़कों पर उतरना होगा।

मंत्री रेखा आर्या ने पति के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

देहरादून। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने अपने पति गिरधारी लाल साहू पर जालसाजी, जातिगत प्रताड़ना और जान से मारने का षडयंत्र रचने का आरोप लगाया है। कैबिनेट मंत्री की शिकायत पर कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मंत्री का आरोप यह भी है कि उनका पति पहले से विवाहित है और वर्तमान में भी उनके विवाहोत्तर संबंध हैं। अब वह एक महिला के साथ मिलकर जान से मारना चाहता है। आरोप यह भी है कि मंत्री के पति ने कई दस्तावेज पर उनके फर्जी हस्ताक्षर कर उन्हें पदों से हटा दिया जबकि उन्होंने किसी भी पद से त्यागपत्र नहीं दिया है।

मंत्री ने पुलिस को बताया कि उनका विवाह 2004 में बरेली के रहने वाले गिरधारी लाल साहू से हुआ था। वह पहले से शादीशुदा थे इस बात को उन्होंने छुपाया। पहली शादी से उनके बच्चे भी हैं। जब उन्हें यह बात पता चली तब तक उनके भी बच्चे हो गए थे। ऐसे में लोक लिहाज के कारण वह चुप रही। आरोप है कि वह (रेखा आर्य) अनुसूचित जाति से आती हैं जबकि गिरधारी लाल साहू दूसरी जाति से हैं। पिछले कुछ समय से गिरधारी लाल साहू का व्यवहार बदलने



लगा। कुछ समय बाद पता चला कि वर्तमान में साहू के दूसरी महिलाओं से संबंध हैं। इस पर जब उन्होंने आपत्ति जताई तो साहू ने मौखिक और लिखित दोनों रूप से उनसे माफी मांगी। बावजूद इसके साहू की हरकतों में कोई बदलाव नहीं आया। जब उन्होंने इस बात का विरोध किया तो साहू ने उनके साथ मारपीट की। गाली गलौज की और जातिसूचक शब्द कहे। आरोप है कि साहू कई बार उनके सरकारी आवास पर आया और

देहरादून। उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य का अचानक स्वास्थ्य बिगड़ गया। उन्हें इंदर रोड स्थित केएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां उनकी जांच चल रही है। बता दें कि आज ही मंत्री आर्या ने अपने पति गिरधारी लाल साहू पर जालसाजी, जातिगत प्रताड़ना और जान से मारने का षडयंत्र रचने का आरोप लगाते हुए कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसके बाद उनका सोशल

मीडिया पर रोते हुए वीडियो भी वायरल हुआ। इसके बाद शाम को मंत्री की तबीयत बिगड़ गई।

आपत्तिजनक शब्द कहे। इसके बाद और भी बातों का खुलासा हुआ। पता चला कि साहू ने दस्तावेज पर जाली हस्ताक्षर कर कंपनी ने उन्हें निदेशक पद से हटा दिया। जबकि उन्होंने ऐसा कोई भी पत्र नहीं बनाया और न ही कभी त्यागपत्र दिया। एसपी सिटी शेखर चंद सुवाल ने बताया कि मंत्री की शिकायत पर जालसाजी, जातिगत प्रताड़ना, जान से मारने का षडयंत्र रचने, मारपीट और एससीएसटी एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

सुप्रीम कोर्ट तक मार्च पर विपक्ष को नोटिस

सीजेआई बोले- हमें कोई धमका नहीं सकता

जानते हैं कोर्ट के बाहर क्या कह रहे और अंदर क्या कहते

केंद्र और चुनाव आयोग को भी नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था, वह इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे थे। बाराखंभा से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस को नोटिस जारी किया गया है। सीजेआई सूर्यकांत ने गुरुवार को कहा कि कोई भी सुप्रीम कोर्ट को डराने या धमकाने की कोशिश नहीं कर सकता। सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर के विरोध प्रदर्शन और मार्च से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। राहुल गांधी और 13 अन्य की याचिका पर कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग (ईसीआई) को भी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल का नाम लिए बिना यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं से से एक से उसके

आचरण के बारे में सवाल करना चाहते हैं। उन्हें सफाई देनी होगी। याचिका दायर करने से पहले इंडिया ब्लॉक ने 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च किया था। कोर्ट ने सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश दिए- वकील गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट से उन सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखवाने के लिए अंतरिम आदेश देने की मांग की, जो राहुल के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के हैं। आरोप है कि तब उन्होंने गर्भवती महिला पत्रकार को धक्का दिया था। इस पर जस्टिस बागची ने सभी कानूनी एजेंसियों को सीसीटीवी और अन्य डिजिटल फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। यह भी कहा है कि इन्हें कोई भी आकर जमा करा सकता है। पत्रकारों के फोन जब्त करने पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस- सीनियर एडवोकेट सीयू सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पत्रकारों के उपकरण (फोन/कैमरा आदि) जब्त कर लिए गए हैं।



कॉकरोच पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंगामा, नारेबाजी की

दीपके बोले- ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए तिरंगा फहराना भी अपराध बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी और छात्र संगठन एआईएसएफ की दिल्ली में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हंगामा हुआ। नेहा बोरा के बोलना शुरू करते ही वहां मौजूद कुछ लोग 'बंद करो' के नारे लगाने लगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एडवोकेट कपिल सिब्बल, प्रशांत भूषण और एक्टर प्रकाश राज भी शामिल हुए। दीपके ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- सरकार ने ज्ञानेश कुमार को बचाने के



लिए तिरंगा फहराने को भी अपराध बना दिया है। आशुतोष रांका और सौरव दास जंतर- जंतर पर तिरंगा फहराने गए थे, लेकिन उन्हें भी जेल भेज दिया गया। आखिर सरकार ज्ञानेश कुमार को क्यों बचा रही है। वहीं नेहा बोरा ने कहा- लोगों को हिरासत में लेने से, मारपीट करने से आंदोलन नहीं रुकेगा। सीजेपी और अन्य संगठनों ने 16 अक्टूबर को दिल्ली के कर्नाट प्लेस स्थित सेक्टर पार्क में तिरंगा लहराकर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। वे एसआईआर रोकने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

प्रकाश राज बोले- हर जिले-गांव को जंतर-मंतर बनाएं

प्रकाश राज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- आपने बहुत कहानियां सुनी होंगी। इन कहानियों का मोरल ऑफ द स्टोरी है कि जो बचपन में क्रोकोडाइल से नहीं डरा, वह आज कॉकरोच से डर गया। कल देश के 200 संगठन एकजुट हो रहे हैं।

नक्सलवाद खत्म करना ही काफी नहीं, पीड़ितों के जख्म भरना भी जरूरी : शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा बस्तर के पुनर्निर्माण और वामपंथी उग्रवाद के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि नक्सलवाद को खत्म करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पांच दशकों में इसके कारण लोगों को जो पीड़ा झेलनी पड़ी है, उसे दूर करना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

इसका सबसे अधिक असर क्षेत्र के गरीब आदिवासी समुदायों पर पड़ा है। शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि

पांच से सात अक्टूबर तक जगदलपुर में आयोजित दिव्यांग सहायता कार्यक्रम से 3,600 से अधिक लोग लाभान्वित हुए, जिनमें अकेले बस्तर के करीब 1,570 लोग शामिल हैं। इस पहल के तहत नक्सलवाद से प्रभावित लोगों को कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर, तिपहिया साइकिल, सुनने में मदद करने वाले उपकरण और छड़ियों सहित अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शाह ने कहा, नक्सलवाद का अंत होने का मतलब यह नहीं है कि हम इन पांच दशकों की पीड़ा को मिटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को पीड़ितों की जिंदगी और सम्मान दोबारा बहाल करने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने इन प्रयासों में केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।



‘राहुल गांधी अराजकता के प्रतीक’

गौरव भाटिया बोले- संविधान को तार-तार कर रही कांग्रेस, क्यों भड़की भाजपा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईआर के तहत मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर विपक्ष चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है। राहुल गांधी समेत इंडिया गठबंधन के 13 नेताओं ने स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। अदालत ने चुनाव आयोग और तीनों चुनाव आयुक्तों से जवाब मांगा है। इस बीच भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को 'अराजकता का प्रतीक' बताते हुए कांग्रेस पर संविधान को तार-तार करने का आरोप लगाया है। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोला। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को 'अराजकता का



प्रतीक' बताया। उन्होंने उन्हें गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष करार देते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी बिना तथ्यों के बोलते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गौरव भाटिया ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर संविधान का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी संविधान को तार-तार कर रहे हैं। इतना ही नहीं, भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए प्रदर्शन के नाम पर नारेबाजी और हुड़दंग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान हर नागरिक को प्रदर्शन करने का अधिकार देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी व्यक्ति इस अधिकार की आड़ में नियमों का उल्लंघन करे। प्रदर्शन के लिए तय जगह होनी चाहिए और इसके लिए पहले अनुमति लेनी जरूरी है।

हमारा ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर, केंद्र के लिए यहां का विकास प्राथमिकता : पीएम मोदी

3350 करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए



नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सरकार का ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है, ताकि युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले और उन्हें दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए लद्दाख का विकास प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने लद्दाख में करीब 3,350 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का वचुअली उद्घाटन और लोकार्पण किया। इनमें लेह एयरपोर्ट का नया पैसंजर टर्मिनल, 298 किलोमीटर लंबी निम्न-पटुम-दरचा सड़क, 9 मेगावाट का हानु हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, बिजली ट्रांसमिशन लाइन, देश का पहला पेट्रोलिंग संरक्षण पार्क और 40 गांवों में बनाए गए जलाशय शामिल हैं।

विदेशी मेहमानों को लद्दाख की बनी चीजें देता हूँ

पीएम मोदी ने कहा- लद्दाख में खेलों की भी बहुत संभावनाएं हैं। यहां के युवाओं ने आइस हॉकी, पर्वतारोहण में नई पहचान बनाई है। यहां की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि युवा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करें।

उत्तराखंड विस सत्र: भराड़ीसैण की सर्द हवाओं के बीच सदन में होगी मुद्दों की गरमाहट



राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैण के भराड़ीसैण की सर्द हवाओं के बीच सदन के भीतर मुद्दों की गरमाहट होगी। धामी सरकार के इस कार्यकाल का अंतिम सत्र और चुनावी वर्ष में प्रदेश के ज्वलंत व जन मुद्दों पर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने होगा। सरकार ने सदन में विपक्ष के हर मुद्दों का मजबूती से जवाब देने और विपक्ष घेरने की

रणनीति तैयार कर रहा है। प्रदेश सरकार ने विधानसभा सत्र कराने में गैरसैण को प्राथमिकता दी है। 27 अक्टूबर से सत्र गैरसैण में कराने का निर्णय लिया है। इससे पहले बजट सत्र भी गैरसैण में हुआ था। अक्टूबर में भराड़ीसैण में ठंड काफी रहती है लेकिन सदन के भीतर मुद्दों की गरमाहट से सियासी तापिश बढ़ेगी। हालांकि सत्र की अवधि दो दिन ही तय की गई है। इसमें सरकार को अनुपूर्व बजट के साथ अन्य विधेयक और विभिन्न विभागों व निगमों की वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट भी सदन पटल रखना है। वहीं, विपक्ष प्रदेश के तमाम मुद्दों को धार देकर सदन में सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है।

कोई जिम्मेदार व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को कहां था कि वे विरोध प्रदर्शन करेंगे और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। अब सवाल यह उठता है कि यह किस तरह का बर्ताव था? वया 'भौदतंत्र' को चलने दिया जा सकता है? क्या न्यायपालिका पर दबाव डालने के लिए भीड़ जुटाई जा सकती है, एक ऐसी संस्था जो मजबूत और निष्पक्ष है, और जिस पर भारत के लोगों को भरोसा है?

संपादकीय

जनभावनाओं की कसौटी पर राजनीति और न्याय

उत्तराखंड का अंकिता भंडारी हत्याकांड प्रदेश की प्रमुख चर्चित अपराधिक घटनाओं के लिए याद रखा जाएगा। भले ही प्रकरण में आरोपियों को जेल भेजने का काम पूरा किया जा चुका है लेकिन राज्य सरकार द्वारा मामले की सीबीआई जांच का आदेश देने के बाद कुछ अनसुलझे रहस्य सामने आने आने की उम्मीद की जा रही है। इसमें एक "अति विशेष व्यक्ति" का नाम काफी चर्चाओं में है। वही इस नामी व्यक्ति को एक बड़ी संवैधानिक पद देने के बाद तो मानो उत्तराखंड की राजनीति उबाल आ गया है जिसे लेकर कांग्रेस ने उत्तराखंड राजभवन में जबरदस्त प्रदर्शन किया तो वही इससे पूर्व जंतर मंतर पर पीडिता के माता-पिता को गिरफ्तार करने से प्रदेश में सरकार के प्रति नाराजगी स्पष्ट नजर आ रही है। उत्तराखंड की शांत वादियों में जब अंकिता भंडारी की हत्या का मामला सामने आया, जिसने प्रदेश के जनमानस को झकझोर दिया और महिलाओं की सुरक्षा, सत्ता के प्रभाव, जांच की पारदर्शिता तथा न्याय व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। अंकिता भंडारी आज केवल एक नाम नहीं, बल्कि उन जनभावनाओं का प्रतीक बन चुकी हैं, जो किसी भी व्यवस्था से निष्पक्ष न्याय और जवाबदेही की अपेक्षा करती हैं। अंकिता के साथ हुई घटना ने उत्तराखंड के लोगों को भावनात्मक रूप से उद्बलित किया। सड़कों पर उतरे लोगों, युवाओं और सामाजिक संगठनों ने न्याय की मांग उठाई। इस जनआक्रोश के केंद्र में एक परिवार का दुख ही नहीं, बल्कि यह चिंता भी थी कि क्या एक सामान्य परिवार की बेटी को भी प्रभावशाली लोगों के विरुद्ध निष्पक्ष न्याय मिल पाएगा? अंकिता प्रकरण में जनभावनाओं को केवल विरोध प्रदर्शन या नागों तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। उत्तराखंड जैसे राज्य में, जहां कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा विशेष महत्व रखती है। परिवार अपनी बेटियों को रोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए घर से बाहर भेजते हैं। ऐसे में किसी युवती के साथ गंभीर अपराध की घटना समाज के भीतर असुखा और अविश्वास की भावना पैदा करती है। अंकिता भंडारी प्रकरण ने उत्तराखंड की राजनीति को भी प्रभावित किया। ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीतिक दलों, जनप्रतिनिधियों और सरकार की भूमिका पर स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं। विपक्ष सरकार से जवाब मांगता है, सामाजिक संगठन पारदर्शिता की अपेक्षा करते हैं और सत्तापक्ष को जनता के सवालों का उत्तर देना पड़ता है। यदि कोई राजनीतिक दल अंकिता के नाम पर न्याय की मांग करता है, तो उसकी प्रतिबद्धता का आकलन केवल भाषणों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता, महिला सुरक्षा और जवाबदेही के मुद्दों पर उसके ठोस प्रयासों से होना चाहिए। अंकिता प्रकरण में जनचर्चा और विभिन्न स्तरों पर उठे सवाल यह बताते हैं कि संवेदनशील आपराधिक मामलों में केवल कानूनी कार्यवाई पर्याप्त नहीं होती, जनता का विश्वास बनाए रखना भी जरूरी होता है। इसलिए जरूरी है कि तथ्य, आरोप और जनधारणाओं के बीच स्पष्ट अंतर रखा जाए। जहां कानूनी प्रक्रिया के अंतर्गत जानकारी सार्वजनिक की जा सकती है, वहां पारदर्शिता होनी चाहिए। अंकिता के नाम पर आयोजित कार्यक्रमों और विरोध प्रदर्शनों की सार्थकता तब और बढ़ेगी, जब वे महिला सुरक्षा से संबंधित ठोस सुधारों की मांग को आगे बढ़ाएं। उत्तराखंड के लोग इस प्रकरण में एक खास व्यक्ति के नाम को बेनकाब होने होते देखने के लिए प्रतीक्षा में थे तो वहीं उनकी भावनाओं को तब खंडित होते हुए देखा गया जब उक्त व्यक्ति को एक महत्वपूर्ण उच्च संवैधानिक पद से नवाज दिया गया। जनभावनाओं का सम्मान केवल श्रद्धांजलि देने, नारे लगाने या राजनीतिक मंचों पर नाम लेने से नहीं होता। उसका वास्तविक सम्मान निष्पक्ष न्याय, पारदर्शी प्रक्रिया, महिलाओं की सुरक्षा और संस्थागत जवाबदेही से होता है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता की संवेदनाएं किसी दल की निजी संपत्ति नहीं हैं। अंकिता भंडारी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब उत्तराखंड की किसी दूसरी बेटी को रोजगार के लिए घर से बाहर निकलतेम समय अपनी सुरक्षा को लेकर भयभीत न होना पड़े।



मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में जान की बाजी लगाना आजकल एक बेहद गंभीर और खतरनाक ट्रेंड बन चुका है। लंद इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर चंद लाइक्स, व्यूज और वायरल होने की चाह में अपनी जिंदगी को दांव पर लगा रहे हैं।आज सोशल मीडिया का जमाना है और बड़ी संख्या में युवाओं पर चर्चा में आने के लिए रील बना कर सोशल मीडिया पर डालने का जुनून सवार है। सोशल मीडिया पर रातों-रात प्रसिद्ध होने और लाइक्स कटने की वजह से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। वीडियो बनाने के लिए चलती हुई ट्रेन के गेट पर खतरनाक डांस करना, डिब्बे के बाहर लटकना या रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर ट्रेन के सामने पोज देना सबसे आम



सौरभ वाघण्य

बिना प्रमाण गंभीर आरोप लगाना लोकतंत्र, राजनीतिक विमर्श और सार्वजनिक विश्वसनीयता के लिए किताब उचित? यह सवाल अपने आप में ही प्रश्नचिह्न लगा रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की आशंका को पूरी तरह खरिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के अनेक देशों में राजनीतिक गतिविधियों, चुनावी प्रक्रियाओं और जन आंदोलनों पर बाहरी प्रभाव को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन किसी आशंका को प्रमाणित तथ्य के रूप में प्रस्तुत करना और किसी राजनीतिक दल पर विदेशी धन लेकर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाना दो अलग-अलग बातें हैं। यही अंतर जिम्मेदार पत्रकारिता, निष्पक्ष राजनीतिक विमर्श और लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद है। हाल ही में अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन के नाम से सोशल मीडिया के जरिये सामने आए एक बयान में भारत में सक्रिय एक राजनीतिक दल को अमेरिका से भारी वित्तीय सहायता मिलने का आरोप लगाया गया है। इस दावे में यह भी कहा गया है कि विदेशी धन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक शांति को प्रभावित करने, सामाजिक विद्वेष बढ़ाने और केंद्र सरकार के कामकाज में बाधाएं उत्पन्न करने के लिए किया जा रहा है। आरोपों के समर्थन में कुछ व्यक्तियों और कथित वित्तीय समूहों का भी उल्लेख किया गया है। ऐसे गंभीर आरोप सामने आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत क्या हैं? क्या किसी बैंक खाते का विवरण सामने आया

सोशल मीडिया पर रील के चक्कर में जान की बाजी

और घातक हादसों की वजह बन रहा है। चलती हुई गाड़ियों या बाइकों पर स्टैंट करना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के रील बनाना। हाल ही में उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक युवती को सड़क पर खतरनाक स्टैंट करने के लिए ७16,000 का भारी चालान भी भुगतना पड़ा। ऊंचे पुलों और झरनों के पास पोज खतरनाक पहाड़ों, नदियों के ऊपर बने पुलों या बाढ़ के पानी के बीच रील बनाने के चक्कर में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रशासन की कार्यवाई और चेतावनी इस बढ़ते खतरे को देखते हुए पुलिस और भारतीय रेलवे लगातार लोगों को आगाह कर रहे हैं। ऐसे जानलेवा स्टैंट करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है और जेल की सजा का भी प्रावधान है। आपको बता दें कि हाल ही में ऐसे कई मामलों की झड़ी लगी है जिनमें रील बनाने के चक्कर में अनेक युवा जान गंवा बैठे। 16 सितम्बर को पालघर (महाराष्ट्र) में वैतरणा नदी के किनारे मोबाइल से रील शूट करने के दौरान गीतेश पाटिल और मानव राठौड़ नामक 2 दोस्तों की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। 4 अक्तूबर को फरीदाबाद (हरियाणा) में सिरोही झील के निकट रील बनाने के दौरान मोबाइल फोन के डैमेज होने को लेकर 2 दोस्तों में विवाद इस हद तक बढ़ गया कि आपसी हाथापाई में उनमें से एक युवक की जान चली गई, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी मुफीद उर्फ मन्नू को गिरफ्तार कर लिया।

8 अक्तूबर को पश्चिम चंपारण (बिहार) के मझौलिया गांव में अपने बड़े भाई हीरामन के रील बनाने के शौक से नाराज उसके छोटे भाई विश्वनाथ ने उसे बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया और इसी झगड़े के दौरान जान बचाने के लिए भागे हीरामन की जमीन पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो जाने के कारण मौत हो गई।9 अक्तूबर को बौध जिला (ओडिशा) के खोरधा-बोलांगीर रेलवे ट्रैक पर लेट कर मीडिया के लिए रील बना रहा एक लड़का अचानक आई तेज उफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई 9 अक्तूबर को ही जहरीले सांपों को रैस्कुप करने और उनके साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने के लिए प्रसिद्ध तपन कुमार प्रधान (28) को पुरी (ओडिशा) के कंथापुर गांव में एक कोबरा ने आक्रामक होकर उंगलियों, कोहनो और बाजू के ऊपरी हिस्से पर कई बार डस लिया जिससे उसकी मौत हो गई। वह अपने घर के बरामदे में बैठ कर एक खतरनाक कोबरा के साथ इंस्टाग्राम के लिए रील बना रहा था। 10 अक्तूबर को आगरा (उत्तर प्रदेश) के बसई अरेला क्षेत्र में एक छत्र निमाणार्थीन मकान में रखी शिकारी एयर गन को पकड़ कर उसके साथ रील बनाने लगा। इसी दौरान अचानक बंदूक से फायर हो गया और छत्र लगने से युवक की अस्तताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। 11 अक्तूबर को पापदीप (ओडिशा) के समुद्र तट पर रील बनाने के दौरान बेगूसराय (बिहार) से घूमने आए

तीन युवक तेज लहरों की चपेट में आ जाने के परिणामस्वरूप बह गए। उपरोक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि पिछले कुछ समय के दौरान रील बनाने के रूझान और इससे होने वाली दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। इस संबंध में हम युवाओं को यही सलाह देंगे कि वे अपनी जान जोखिम में डाल कर इस प्रकार के करतब न करें क्योंकि उनकी इस तरह की भूलें उनके परिवारों को जिंदगी भर की पीड़ा दे सकती है। युवाओं को लगता है कि एक रील वायरल होते ही वे रातों-रात स्टार बन जाएंगे। पीछे छूट जाने का डर दूसरों को रील बनाकर लोकप्रिय होते देख, युवा भी बिना सोचे-समझे उसी अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं स्क्रीन पर दिखने वाले लाइक और हार्ट युवाओं के दिमाग में एक अस्थायी खुशी पैदा करते हैं, जिसकी उन्हें लत लग जाती है। इस जानलेवा सनक को कैसे रोक जाए?माता-पिता को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि उनका बच्चा सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट कर रहा है और किस तरह के वीडियो बना रहा है। पुलिस और प्रशासन को खतरनाक जगहों पर रील बनाने वालों के खिलाफ सख्त जुर्माना और जेल की सजा का प्रावधान मजबूत करना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं को यह समझाने की जरूरत है कि जान है तो जहान है, कोई भी रील आपकी जिंदगी से ज्यादा कीमती नहीं हो सकती।

विदेशी फंडिंग का आरोप : सनसनी से नहीं, सबूतों से तय होनी चाहिए सच्चाई

है? क्या किसी वित्तीय लेन-देन का दस्तावेज उपलब्ध है? क्या संबंधित एजेंसी ने कोई जांच की है? क्या किसी विश्वसनीय जांच रिपोर्ट या आधिकारिक दस्तावेज में इन आरोपों की पुष्टि हुई है? यदि इन सवालों के जवाब उपलब्ध नहीं हैं, तो ऐसे बयानों को प्रमाणित समाचार की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। किसी राजनीतिक दल को विदेशी अंशदान से संबंधित मामलों में कानून लागू होते हैं। विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम सहित संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत पात्र संस्थाओं के विदेशी अंशदान पर नियमन और निगरानी की व्यवस्था है। किसी विशिष्ट मामले में कौन-सा कानून लागू होगा, यह संबंधित संस्था, धन के स्रोत, प्राप्तकर्ता और लेन-देन की प्रकृति पर निर्भर करता है। यदि किसी विदेशी संस्था या व्यक्ति द्वारा भारतीय कानूनों का उल्लंघन करके धन उपलब्ध करने के प्रमाण मिलते हैं, तो सक्षम एजेंसियों को जांच करनी चाहिए। लेकिन विदेशी नागरिकों की राजनीतिक टिप्पणियों को अपने आप विदेशी फंडिंग का सबूत नहीं माना जा सकता। इसी प्रकार, किसी राजनीतिक दल की सरकार विरोधी गतिविधि मात्र से यह निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता कि उसके पीछे विदेशी धन है। भारत की संप्रभुता की रक्षा करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि इस विषय का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के विरुद्ध बिना प्रमाण आरोप लगाने के लिए न किया जाए। मैरी मिलबेन पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की कुछ नीतियों के समर्थन में अपनी राय व्यक्त कर चुकी हैं। किसान आंदोलन के दौरान कृषि सुधारों पर उनका रुख और बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया द मोदी क्वेश्चन' की लेकर उनकी टिप्पणियां सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रही हैं। लेकिन किसी व्यक्ति का पहले किसी सरकार का समर्थन करना या किसी नीति के पक्ष में बोलना, उसके नए आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं बन जाता। राजनीतिक समर्थन और तथ्यात्मक प्रमाण दो अलग-अलग विषय हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय पहचान या किसी नेता के प्रति उसकी प्रशंसा के आधार पर उसके प्रत्येक दावे को सही नहीं माना जा सकता। उसी तरह, किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचारों से अहममति होने के कारण उसके प्रत्येक कथन को गलत भी नहीं ठहराया जा सकता। हर दावे की जांच उसके

विदेशी वित्तपोषण के जरिए गैरकानूनी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, तो उनकी अन्वेषी भी नहीं की जा सकती। इसलिए न तो हर आरोप को राजनीतिक पड़वंत्र कहकर खारिज करना उचित है और न ही हर आरोप को सच मान लेना। भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक देश है। यहां राजनीतिक गतिविधियों, संगठनों और विदेशी अंशदान से संबंधित मामलों में कानून लागू होते हैं। विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम सहित संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत पात्र संस्थाओं के विदेशी अंशदान पर नियमन और निगरानी की व्यवस्था है। किसी विशिष्ट मामले में कौन-सा कानून लागू होगा, यह संबंधित संस्था, धन के स्रोत, प्राप्तकर्ता और लेन-देन की प्रकृति पर निर्भर करता है। यदि किसी विदेशी संस्था या व्यक्ति द्वारा भारतीय कानूनों का उल्लंघन करके धन उपलब्ध करने के प्रमाण मिलते हैं, तो सक्षम एजेंसियों को जांच करनी चाहिए। लेकिन विदेशी नागरिकों की राजनीतिक टिप्पणियों को अपने आप विदेशी फंडिंग का सबूत नहीं माना जा सकता। इसी प्रकार, किसी राजनीतिक दल की सरकार विरोधी गतिविधि मात्र से यह निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता कि उसके पीछे विदेशी धन है। भारत की संप्रभुता की रक्षा करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि इस विषय का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के विरुद्ध बिना प्रमाण आरोप लगाने के लिए न किया जाए। मैरी मिलबेन पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की कुछ नीतियों के समर्थन में अपनी राय व्यक्त कर चुकी हैं। किसान आंदोलन के दौरान कृषि सुधारों पर उनका रुख और बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया द मोदी क्वेश्चन' की लेकर उनकी टिप्पणियां सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रही हैं। लेकिन किसी व्यक्ति का पहले किसी सरकार का समर्थन करना या किसी नीति के पक्ष में बोलना, उसके नए आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं बन जाता। राजनीतिक समर्थन और तथ्यात्मक प्रमाण दो अलग-अलग विषय हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय पहचान या किसी नेता के प्रति उसकी प्रशंसा के आधार पर उसके प्रत्येक दावे को सही नहीं माना जा सकता। उसी तरह, किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचारों से अहममति होने के कारण उसके प्रत्येक कथन को गलत भी नहीं ठहराया जा सकता। हर दावे की जांच उसके

प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए।आज सोशल मीडिया के दौर में सनसनीखेज दावे तेजी से फैलते हैं। कई बार किसी बयान को आकर्षक शीर्षक देकर इस तरह प्रसारित किया जाता है कि पाठक आरोप और सच्चाई के बीच का अंतर भूल जाते हैं। इससे लोकतांत्रिक संवाद प्रभावित होता है और समाज में अनावश्यक विश्वास पैदा हो सकता है। समाचार माध्यमों की जिम्मेदारी है कि वे किसी भी गंभीर आरोप को प्रकाशित करने से पहले उसके स्रोत, संदर्भ और प्रमाणों की पड़ताल करें। संबंधित राजनीतिक दल या व्यक्ति का पक्ष लें, आधिकारिक रिकॉर्ड की जांच करें और जहां पुष्टि उपलब्ध न हो, वहां स्पष्ट रूप से लिखें कि दावा स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं हुआ है। पाठकों को भी चाहिए कि वे किसी सनसनीखेज पोस्ट को तुरंत सच मानने या आगे प्रसारित करने से पहले उसकी विश्वसनीयता जांचें। राष्ट्रहित का अर्थ केवल किसी सरकार या राजनीतिक दल का समर्थन करना नहीं है। इसका अर्थ सत्य, कानून, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति प्रतिबद्धता भी है। यदि भारत में किसी राजनीतिक दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तीय सहायता मिलने का ठोस प्रमाण है, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए और कानून के अनुसार जांच होनी चाहिए। लेकिन यदि आरोप केवल बयानबाजी और अपुष्ट दावों पर आधारित हैं, तो उन्हें तथ्य के रूप में प्रचारित करना जनता को प्रभित करने जैसा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों को अपने नेता के पक्ष में विचार रखने का पूरा अधिकार है। विपक्षी दलों को सरकार की आलोचना करने का भी समान लोकतांत्रिक अधिकार है। दोनों के लिए एक ही कसौटी होनी चाहिए तथ्य और प्रमाण। भारत की प्रतिष्ठा किसी सनसनीखेज बयान से न तो बनती है और न ही गिराई चाहिए। देश की प्रतिष्ठा मजबूत होती है निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था, स्वतंत्र पत्रकारिता और न्यायपूर्ण कार्यवाई से। इसलिए विदेशी फंडिंग के इस कथित मामले में भी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के बजाय प्रमाण सामने लाने की मांग की जानी चाहिए। लोकतंत्र में आरोप लगाना अधिकार हो सकता है, लेकिन आरोप को सच मानने से पहले प्रमाण मांगना जनता का अधिकार और पत्रकारिता का दायित्व है।

जब प्यासे हों खेत और खाली हों थालियां तो कैसे संवरेगा भविष्य?



योगेश कुमार गोयल

वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा मुद्दों के नए समाधान ढूँढ़ने के गंभीर प्रयास करें।

आज का नवाचार, कल की हर थाली में पोषण... दुनिया की आबादी तीव्र गति से बढ़ने के साथ-साथ विश्व में भूख की समस्या भी बढ़ती जा रही है। कई ऐसे राष्ट्र हैं, जो इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं। विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंद रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विडम्बना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है। वैश्विक भूखमरी को खत्म करने और सभी लोगों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 16 अक्तूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया जाता है। दुनिया के करीब 150 सदस्य देश मिलकर यह दिवस मनाते हैं और संयुक्त राष्ट्र के कैलेंडर में सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला दिवस भी यही है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक भूखमरी से निपटना और पूरी दुनिया से उसे जड़ से खत्म करना है ताकि दुनिया का कोई भी इंसान भूखा और कुपोषित न रहे। कृषि खाद्य प्रणाली परिवर्तन के लिए वैश्विक कार्यवाई को संगठित करते ह्यविश्व खाद्य दिवससह के लिए हर साल एक खास विषय निर्धारित किया जाता है। विश्व खाद्य दिवस 2026 का विषय है 'अज नवाचार करें। कल का पोषण करें'। एफएओ के अनुसार तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा पिछले दशकों में मीठे पानी के संसाधनों में भी प्रति व्यक्ति 20 प्रतिशत की गिरावट आई है और दशकों के खराब उपयोग व प्रबंधन, भूजल के अत्यधिक दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता तेजी से बिगड़ रही है। एफएओ का कहना है कि मौजूदा समय में करीब 2.4 अरब लोग जल संकट वाले देशों में रहते हैं और इस अमूल्य संसाधन के लिए प्रतिस्पर्धा



बढ़ती जा रही है क्योंकि पानी की कमी संघर्ष का निरंतर बढ़ता कारण बनती जा रही है। पृथ्वी पर जल एक सीमित और असीम मूल्यवान ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसके बिना धरती पर भोजन और जीवन असंभव है। यही नहीं, विश्वभर में 60 करोड़ से भी ज्यादा लोग अपनी आजीविका के लिए जलीय खाद्य प्रणालियों पर ही निर्भर हैं, जिनमें छोटे पैमाने के मछुआरे, मछली किसान, मछली प्रोसेसर और उनके आश्रित शामिल हैं, जो तटीय और अंतर्देशीय समुदायों की रीढ़ माने जाते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं और विश्वभर में संस्कृतियों को प्रभावित करते हैं। दुनिया से भूखमरी को मिटाने के प्रयासों में जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय तनाव, आर्थिक समस्याएं इत्यादि सबसे बड़ी बाधा बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, बार-बार होने वाले मौसम के झटकों, संघर्षों, आर्थिक मंदी, असमानता और महामारी के कारण विश्व में करीब 733 मिलियन लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जिसका सर्वाधिक असर गरीब और कमजोर तबके पर पड़ता है, जिनमें से कई कृषि परिवार हैं। कोरोना महामारी के दौर के बाद लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलस्तीन के भीषण युद्ध जैसी विकट परिस्थितियां भी भूख की समस्या को कम करने के बजाय और विकराल बनाने में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसीलिए इस समस्या को कम

करने के लिए दुनियाभर में तेज गति से गंभीर प्रयास किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भूख और कुपोषण लंबे समय तक चलने वाले संकटों से और बढ़ जाते हैं, जो संघर्ष, चरम मौसम की घटनाओं और आर्थिक झटकों के कुपोषण से प्रेरित होते हैं। आज दुनिया में करोड़ों लोग भूख से पीड़ित हैं और स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। एफएओ के मुताबिक विश्व में 2.8 बिलियन से भी ज्यादा लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और अस्वास्थ्यकर आहार ही सभी प्रकार के कुपोषण का प्रमुख कारण है। कमजोर लोगों को प्रायः मुख्य खाद्य पदार्थों या कम महंगे खाद्य पदार्थों पर निर्भर रहने के लिए विवश होना पड़ता है, जो अस्वास्थ्यकर हो सकते हैं जबकि अन्य लोग ताजे या विविध खाद्य पदार्थों की अनुपलब्धता से पीड़ित हैं, उन्हें स्वस्थ आहार चुनने के लिए जरूरी जानकारी की कमी है या फिर वे केवल सुविधा के लिए विकल्प चुनते हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष हर 10 में से एक व्यक्ति दूषित भोजन के कारण बीमार हो जाता है और हर साल 4.2 लाख लोगों की मौत का कारण दूषित भोजन ही है, जिनमें करीब सवा लाख बच्चे भी होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के 'खाद्य एवं कृषि संगठन' के अनुसार 2021 में दुनियाभर में 5 लाख लोगों की मौत भूख से ही हुई थी। हालांकि ऐसा नहीं है कि पृथ्वी पर इतना अनाज पैदा नहीं हो रहा, जिससे दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल

सके बल्कि सबसे बड़ी समस्या पोषणयुक्त आहार तक सभी की पहुंच और उपलब्धता है। एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है। जलीय खाद्य पदार्थ भी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अपनी विविधता से जलीय खाद्य प्रणाली मानव के लिए पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत बनती है। चिंता का विषय है कि जीवनयापन के लिए आंशिक रूप से ही सही, जलीय खाद्य प्रणालियों पर निर्भर 60 करोड़ लोग प्रदूषण, पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण, अस्थिर प्रथाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पीड़ित हैं। ऐसे में न केवल जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करने की सख्त आवश्यकता है बल्कि लोगों को अधिक भोजन तथा अन्य बुनियादी कृषि उत्पाद पैदा करने के लिए कम पानी का उपयोग करने की आवश्यकता है। बहरहाल, वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा मुद्दों के नए समाधान ढूँढ़ने के लिए हमें कृषि खाद्य प्रणालियों में प्रभावी जल उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के सुनिश्चित तरीके खोजने के साथ-साथ जल और जलीय खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी तथा जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मांग के मद्देनजर सभी के लिए फायदी पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए दुनिया के सफ़स मौजूद खाद्य चुनौतियों का मिलकर समाधान करना होगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त संसार' के लेखक हैं)

अंकिता भंडारी को न्याय दिलवाने के लिए संघर्ष करेगी कांग्रेस : नेगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों से अंकिता के माता-पिता न्याय की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि अंकिता को न्याय मिलाने तक कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने मामले में सीबीआई जांच की अंतिम रिपोर्ट आने से पहले ही कथित वीआईपी को बचाने का प्रयास किए जाने का आरोप भी लगाया। गुरुवार को कोटद्वार स्थित एक होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पूर्व मंत्री नेगी ने दिल्ली के इंडिया गेट पर अंकिता भंडारी के माता-पिता को गिरफ्तार किए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अंकिता के माता-पिता अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में उनकी आवाज सुनने के बजाय उनके साथ इस तरह का व्यवहार किया जाना उचित नहीं



कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी।

है। सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि सरकार की ओर से मामले की सीबीआई जांच कराई जा रही है, लेकिन जांच की अंतिम रिपोर्ट आने से पहले ही भाजपा पर कथित वीआईपी को बचाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मामले से जुड़े सभी तथ्यों को सामने लाया जाना चाहिए और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने

हत्याकांड से जुड़े रिसॉर्ट के उस कमरे को ध्वस्त किए जाने का मुद्दा भी उठाया, जहां अंकिता भंडारी कार्यरत थीं। उन्होंने मांग की कि कमरे को ध्वस्त करने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच हो सके। पूर्व मंत्री ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के उस बयान पर भी आपत्ति जताई, जिसमें

अंकिता के माता-पिता को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दिए जाने की बात कही गई थी। नेगी ने कहा कि अंकिता के माता-पिता ने सरकार से कभी आर्थिक सहायता की मांग नहीं की, बल्कि वे अपनी बेटी के लिए न्याय चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस कथित वीआईपी का नाम अंकिता भंडारी हत्याकांड के संदर्भ में सामने आया है, उसे पदोन्नत कर राज्यपाल बनाया गया। उन्होंने इसे उत्तराखंड की नारी शक्ति के सम्मान से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि मामले में उठ रहे सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए। नेगी ने कहा कि अंकिता भंडारी को न्याय दिलाना केवल उसके परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का विषय है। कांग्रेस इस मामले में न्याय की मांग को लेकर अपना संघर्ष जारी रखेगी। इस अवसर पर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मीना बहुगुणा, डॉ. चंद्रमोहन खर्कवाल, संजय मित्तल, धीरेंद्र सिंह बिष्ट और विजय रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बहुउद्देशीय शिविर का नहीं हुआ प्रचार-प्रसार, गिने-चुने जनप्रतिनिधियों तक ही पहुंची सूचना

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यमंत्री की पहल पर सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड कल्जीखाल में गुरुवार को बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। बहुउद्देशीय शिविर कुछ तो मौसम की भेंट चढ़ गया, बाकी रही-सही कसर प्रचार-प्रसार के भारी अभाव ने पूरी कर दी। सेवा संकल्प अभियान के तहत कल्जीखाल ब्लॉक कार्यालय परिसर में बहुउद्देशीय शिविर के आयोजन को लेकर खंड विकास अधिकारी द्वारा समस्त पंचायत प्रतिनिधियों, ब्लॉक एवं जिला स्तरीय कुछ चुनिंदा विभागों को प्रतिभाग करने हेतु 3 अक्टूबर को निर्देश पत्र जारी किया गया था, लेकिन जनप्रतिनिधियों तक बहुउद्देशीय शिविर की सूचना नहीं पहुंची। आखिर शिविर आयोजित करने को लेकर निर्देश वाला पत्र संचार क्रांति के इस युग में भी जनप्रतिनिधियों तक नहीं पहुंचा। विगत सप्ताह पंचायत



प्रतिनिधियों के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की सूचना भी जनप्रतिनिधियों तक नहीं पहुंची थी, जिसमें सरकार की ओर से अतिथि के तौर पर राज्य मंत्री हेमंत द्विवेदी ने प्रतिभाग किया था।

शासन के निर्देशों पर जनता के लिए चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के धरातल में उतारने के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों की उदासीनता भारी पड़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

बारिश से बदला मौसम, ठंड का हुआ अहसास

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में गुरुवार को हुई वर्षा के बाद मौसम का मिजाज बदल गया है। बारिश के चलते तापमान में गिरावट महसूस होने लगी है और लोगों को ठंड का एहसास होने लगा है। मौसम में आए इस बदलाव के चलते लोगों ने अब गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ था। आसमान में घने बादल छाये हुए थे। लगभग दस बजे अचानक वर्षा होने लगी। करीब साढ़े बारह बजे तक रूक-रूककर बारिश का दौर जारी रहा। अचानक बदले मौसम के चलते लोगों ने हल्के गर्म कपड़ों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। दोपहर बाद वर्षा थमने के बाद कई लोग गर्म कपड़े पहने हुए नजर आए। लोगों का कहना है कि वर्षा के बाद मौसम पहले की अपेक्षा ठंडा हो गया है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट होने पर ठंड का असर बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल, वर्षा के बाद बदले मौसम ने लोगों को गर्म कपड़ों की याद दिला दी है और धीरे-धीरे सर्दियों की तैयारी भी शुरू होने लगी है।

अदालत ने पत्नी के पक्ष में सुनाया फैसला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : तहसील क्षेत्र के गगवाड़ख्यूँ निवासी एक व्यक्ति के करीब 18 साल से लापता होने के मामले में दर्ज याचिका पर सुनवाई करते हुए सिविल जज (जू.डि) पौड़ी रजिवान अंसारी की अदालत ने पत्नी के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने 2008 से लापता व्यक्ति की सिविल मृत्यु की धारणा को खीकाए करते उन्हें मृत घोषित कर दिया। पत्नी अनीता देवी ने अदालत में वाद दायर कर बताया कि उसके पति शिव कैलाश जनवरी 2008 में सामान लेने पौड़ी बाजार गए थे, लेकिन इसके बाद घर नहीं लौटा। उन्होंने पति की काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। ग्राम प्रधान ने भी प्रमाणित किया कि शिव कैलाश वर्ष 2008 से लापता हैं। ऐसे में उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। समाचार पत्र में सूचना प्रकाशित होने के बावजूद किसी व्यक्ति ने अदालत में शिव कैलाश के जीवित होने के संबंध में आपत्ति या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया। अदालत ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 और संबंधित न्याय दृष्टांतों का उल्लेख करते हुए शिव कैलाश की सिविल मृत्यु होने के आदेश जारी किए।

दुष्यंत गौतम को राज्यपाल नियुक्त किए जाने के विरोध में किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : दुष्यंत कुमार गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के विरोध में छात्र संगठन आइसा, एआईडीएसओ, जस्टिस फॉर अंकिता समिति, ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन व एलयूसीसी से जुड़ी महिलाओं ने गढ़वाल विवि गेट के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार और दुष्यंत कुमार गौतम का पुतला फूँका। आक्रोशित छात्रों ने अंकिता भंडारी हत्याकांड के संदर्भ में दुष्यंत कुमार गौतम को लेकर उठ रहे सवालों का हवाला देते हुए उनकी राज्यपाल के पद पर नियुक्ति पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई। इस दौरान छात्रों ने नगर क्षेत्र में रैली भी निकाली। उन्होंने कहा कि दिल्ली इंडिया गेट पर धरने पर बैठे अंकिता भंडारी के माता-पिता को जिस तरीके से पुलिस की ओर से हिरासत में लिया गया इसकी हम कड़ी निंद करते हैं।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार: वैश्विक हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छात्र-छात्राओं को हाथों की स्वच्छता का महत्व बताते हुए बीमारियों और संक्रमण से बचाव के लिए सही तरीके से हाथ धोने की जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता की आदत अपनाने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 15 अक्टूबर को वैश्विक हाथ धुलाई दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2008 में ग्लोबल हैंडवाशिंग पार्टनरशिप की ओर से की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों और आमजन को हाथों की स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा घरों, शिक्षण संस्थानों और समुदायों में साबुन से हाथ धोने की आदत को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि हाथों की नियमित सफाई कई बीमारियों और संक्रमणों से बचाव का सरल एवं प्रभावी तरीका है। भोजन करने से पहले,

लक्ष्य तय कर मेहनत करें विद्यार्थी, सफलता जरूर मिलेगी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने के लिए पूरी मेहनत और लगन से जुट जाना चाहिए। निरंतर प्रयास करने वालों को एक दिन सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानने और सकरात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया। कोटद्वार स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम के समापन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। देश का भविष्य युवाओं की प्रतिभा, सोच और कार्यक्षमता पर निर्भर करता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ उनके

आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, सकारात्मक सोच, नवाचार और समाज के प्रति प्रतिबद्धता विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अहम योगदान देगी। कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत महाविद्यालय में निबंध, पोस्टर, भाषण, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण और रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और विचारों का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

जइंकाँ धांधणखेत ने प्रदेश में हासिल किया द्वितीय स्थान

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : पंडित दीनदयाल उपाध्याय शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार 2026 की प्रदेश स्तरीय सूची में इंटरमीडिएट स्तर पर जनता इंटर कॉलेज धांधणखेत विकासखण्ड थलीसैण ने उत्कृष्ट परीक्षाफल प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर इतिहास रचा है। इस शानदार उपलब्धि के लिए विद्यालय को पांच लाख रुपये की पुरस्कार धनराशि, प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

गुरुवार को मुख्यमंत्री कैम्य कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन, देहरादून में आयोजित भव्य सम्मान समारोह के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत द्वारा विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. बबिता धमसाना को पांच लाख रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिह्न (मोमेंटो) प्रदान कर सम्मानित किया गया।



पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में आयोजित कार्यशाला के दौरान हाथ धोने का अभ्यास करते विद्यार्थी।

शौचालय का उपयोग करने के बाद और बाहर से घर लौटने पर साबुन अथवा हैंडसाप से

अच्छी तरह हाथ धोने चाहिए। इसके अलावा बीमार व्यक्ति की देखभाल करने के बाद भी

हाथों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। स्वच्छता की इन आदतों को अपनाकर स्वयं और परिवार को कई तरह के संक्रमणों से सुरक्षित रखा जा सकता है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन करने से पहले हाथ धोने की सही विधि का अभ्यास कराया गया। उन्हें बताया गया कि केवल पानी से हाथ धोना पर्याप्त नहीं है, बल्कि साबुन से हथेलियों, हाथों के पिछले हिस्से, उंगलियों के बीच और नाखूनों के आसपास अच्छी तरह सफाई करना भी जरूरी है। विद्यालय में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें

रामलीला के चौथे दिन राम वनवास का मंचन, दर्शक हुए भावुक

श्रीनगर गढ़वाल : श्री आदर्श रामलीला समिति की ओर से रामलीला मैदान में आयोजित 127वें रामलीला मंचन के चौथे दिन बुधवार को राम वनवास की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। कैकेयी की भूमिका में पंकज बडोनी और राजा दशरथ के किरदार में डॉ. सुदेश जुगारान ने शानदार अभिनय कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। लीला में मंथरा के बहकावे में आकर कैकेयी द्वारा राजा दशरथ से राम के लिए 14 वर्ष का वनवास और भरत के लिए राजगद्दी मांगने का प्रसंग दिखाया गया। राम, लक्ष्मण और सीता के वन प्रस्थान के दृश्यों ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इस बार सीता की भूमिका बाल कलाकार आरुषि डोभाल ने निभाई। सीता का किरदार निभाने वाली कुमुध अपने दादाजी के निधन के कारण मंचन में शामिल नहीं हो सकीं। ऐसे में आरुषि ने महज चार दिन की रिसर्ल के बाद भूमिका निभारकर दर्शकों का दिल जीत लिया। मंचन में गुरु वशिष्ठ की मनीष बडोनी, सुमंत की बुद्धिबल्लभ उनियाल, मंथरा की पुरण सिंह, कौशल्या की गीता नेगी और सुमित्रा की भूमिका कांता ने निभाई। पार्श्व गायन में वसुधा गौतम, प्रिया ठक्कर, अनामिका और तनिष्का ने सहयोग दिया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष देवेन्द्र मणि मिश्रा, सचिव हिमांशु अग्रवाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। (एनसीसी)

कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन तथा समर्पित शिक्षकों एवं कर्मचारियों के कठिन परिश्रम और लगन का परिणाम है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों व विद्यार्थियों का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन उनकी प्रतिभा और योग्यता को साबित करता है। प्रधानाचार्य परिषद् (अशासकीय माध्यमिक) जनपद पौड़ी परिषद् के अध्यक्ष एवं गढ़वाल मंडल के मंडलीय अध्यक्ष संजय सिंह रावत, उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के मण्डल अध्यक्ष संजय रावत, प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय बिष्ट, प्रांतीय महामंत्री महावीर सिंह बिष्ट, जिलाध्यक्ष (पौड़ी) भारत बिष्ट एवं जिला मंत्री संदीप राकत ने प्रधानाचार्य डॉ.

बबिता धमसाना व पूरे विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अज्ञा से न्यायालय असि0 कले0 प्र0 श्रे0, कोटद्वार गढ़वाल



प्रशासन को ज्ञापन सौंपती महिला मोर्चा की सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, सांगठनिक जनपद कोटद्वार की ओर से जेपन्यू के पूर्व प्राध्यापक एवं कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिग्लेले कोआईजम से जुड़े 11 छात्रों के साथ कथित यौन उत्पीड़न मामले की जांच करवाने की मांग की है। महिला मोर्चा ने मामले की निष्पक्ष जांच करने और संबंधित कांग्रेस सांसद के इस्तीफे की मांग उठाई।

मामले को लेकर मोर्चा ने राज्यपाल के नाम

पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष शिखिला केरटवाल के नेतृत्व में प्रदेश मंत्री अनीता आर्य, उर्मिला कंडहारी, सिमरन बिष्ट, हिमानी बलुनी, अंजू खुगशाल, माला लुथरा, निशा जुवाल सहित महिला मोर्चा की अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहीं। महिला मोर्चा ने मांग की कि मामले की निष्पक्षता से जांच कर तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके।

अदालती सूचना
न्यायालय श्रीमान असिस्टेन्ट कलेक्टर प्रथम श्रेणी कोटद्वार गढ़वाल रा0वा0सं0 18 / 2021
राजेश कुमार
बनाम उत्तराखण्ड सरकार आदि
समन बनाम- 1- श्री भगत सिंह पुत्र श्री फसराम, 2- श्री आत्माराम पुत्र श्री कांतिगु, 3- श्रीमती राजेश्वरी देवी पत्नी श्री जय प्रकाश, 4- श्री सूर्यप्रकाश पुत्र श्री जय प्रकाश, 5- श्री वेदभूषण पुत्र श्री जय प्रकाश, 6- श्री महावीरचन्द्र पुत्र श्री कुकनी, 7- श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री छवण सिंह, 8- श्री उममेद सिंह पुत्र श्री छवण सिंह, 9- श्री अमर सिंह पुत्र श्री छवण सिंह, 10- श्री यशवन्त सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह, 11- श्री संदीप सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह, 12- श्रीमती गौरदेवी पत्नी श्री हुकम सिंह, 13- श्री कैलाशचन्द्र पुत्र श्री भूपे सिंह, 14- श्री संदीप सिंह पुत्र श्री उदय सिंह, 15- श्री रतन कुमार पुत्र श्री रामगोपाल सिंह, 16- श्री सुल्तानसिंह पुत्र श्री रेवाधर, 17- श्री आनन्द सिंह पुत्र श्री रेवाधर, 18- श्री एनवारु पुत्र श्री रमसु, 19- श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह, 20- श्री मेहन्द्र सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह, 21- श्री पूरण सिंह पुत्र श्री पांचु, 22- श्री चन्दी पुत्र श्री श्री पांच, 23- श्री लाल सिंह पुत्र श्री महिपाल सिंह, 24- श्री हेरन्द्र सिंह पुत्र श्री महिपाल सिंह, 25- श्री रवीन्द्र सिंह पुत्र श्री महिपाल सिंह, 26- श्री भूपाल सिंह पुत्र श्री घनश्याम, 27- श्री गोपाल सिंह पुत्र श्री घनश्याम, 28- श्री मगन सिंह पुत्र श्री घनश्याम, 29- श्री वीर सिंह पुत्र श्री रैजा, 30- श्री मोहन सिंह पुत्र श्री रैजा, 31- श्री मदनलाल पुत्र श्री वाली, 32- श्री मोहन लाल पुत्र श्री वाली, 33- श्री उममेद सिंह पुत्र श्री जानी, 34- सुखदामिनी पुत्री श्री मुरुन्दीलाल, 35- श्री मनोज कुमार पुत्र श्री महावीर चन्द्र उर्फ महावीर सिंह, 36- श्री विनोद कुमार पुत्र श्री महावीर चन्द्र उर्फ महावीर सिंह, 37- श्री अनिल कुमार पुत्र श्री महावीर चन्द्र उर्फ महावीर सिंह, 38- श्रीमती इन्द्रा देवी पत्नी श्री महावीर चन्द्र उर्फ महावीर सिंह, 39- श्री अशोक कुमार पुत्र श्री उदय सिंह, 40- श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री भूपे सिंह, 41- श्री जगमोहन सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह, 42- श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री मोहन सिंह, 43- श्रीमती देवकी देवी पत्नी श्री श्याम सिंह, 44- श्री विशन सिंह पुत्र श्री श्याम सिंह, 45- श्री भगत सिंह पुत्र श्री श्याम सिंह, 46- श्रीमती महेश्वरीदेवी पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह, 47- श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह, 48- श्री हेरन्द्र सिंह पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह, 49- श्री प्रकाश सिंह पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह 50- श्री रघुवीर सिंह पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह, 51- श्री ताजवर सिंह पुत्र श्री ओमार सिंह, 52- श्री आनन्द सिंह पुत्र श्री कुलदेव, 53- श्री गोवर्द्धन प्रसाद श्री शिवचरण, 54- श्री सिद्ध प्रसाद पुत्र श्री शिवचरण, 55- श्रीमती निवाली देवी पत्नी श्री सुरेन्द्र सिंह, 56- श्री जगमोहन सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह, 57- श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी श्री सुखदेव, 58- श्री हर्षदेव पुत्र श्री सुखदेव, 59- श्री संदीप राणा पुत्र श्री उदय सिंह, 60- श्री अशोक सिंह पुत्र श्री उदय सिंह समस्त निवासोण ग्राम सांसोसैण, पट्टी सीला, तहसील-कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तर-ाखण्ड। खाता सं0 5
हरगाह वादी ने एक घोषणात्मक वाद अन्तर्गत धारा 229बी0 ज0वि0अधि0 आपके विरूद्ध मेरे न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें आपके उपस्थित वांछनीय है।
अतः आपको हुसम होता है कि आप निम्न तिथि दिनांक 17/11/2026 को ठीक 10 बजे प्रातः मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मामले की पेशी करें। अन्यथा आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।
आज दिनांक 29/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।
आज्ञा से न्यायालय असि0 कले0 प्र0 श्रे0, कोटद्वार गढ़वाल

दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल एवं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की भारतीय भाषा समिति के सहयोग से चौरास परिसर स्थित अकादमिक गतिविधि केंद्र में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू हो गई है। उद्घाटन सत्र में उत्तराखंड के 25 से अधिक विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों, अकादमिक विशेषज्ञों तथा शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य 22 भारतीय भाषाओं में विद्यालयी एवं उच्च शिक्षा के लिए संवादात्मक डिजिटल पुस्तकों के रूप में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण सामग्री विकसित करना है। इस पहल का उद्देश्य बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित करना, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री तक विद्यार्थियों की पहुंच बढ़ाना तथा देशभर में ज्ञान को अधिक सुलभ बनाना है। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह ने भारत की समृद्ध बौद्धिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन में इस पहल के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पुस्तकें लिखकर व्यक्ति अमृत पिए बिना भी अमर हो सकता है। पुस्तकों को हमारी अमूल्य धरोहर बताते हुए उन्होंने भारतीय भाषाओं में शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार की पहल

नवरात्र में गंगोत्री—यमुनोत्री यात्रा ने फिर पकड़ी रफ्तार



उत्तरकाशी /बड़कोट। बारिश और श्राद्ध पक्ष के दौरान सुस्त पड़ी गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा ने नवरात्र पर्व के साथ एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। कुछ दिन पहले तक यमुनोत्री में प्रतिदिन 1500 से 1800 श्रद्धालु धाम पहुंच रहे थे लेकिन नवरात्र शुरू होते ही संख्या बढ़कर तीन हजार से साढ़े तीन हजार तक पहुंचने लगी है। इसी तरह गंगोत्री में भी

एक नजर

रुद्रनाथ की डौली के आगमन पर विवाद थमा

गोपेश्वर। चुतुर्थ केदार रुद्रनाथ भगवान की उत्सव डौली के आगमन को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा विवाद थम गया है। पुलिस प्रशासन की मध्यस्थता में ग्वाड़ गांव के ग्रामीणों और मंदिर समिति के पदाधिकारियों के बीच बैठक हुई। इसमें सहमति बनी कि डौली डुमक क्षेत्र के बजाय देवलधार गांव होते हुए अपने शीशेकालीन गद्दी स्थल गोपीनाथ मंदिर पहुंचेगी।रुद्रनाथ डौली के डुमक गांव जाने की बात कहे जाने पर ग्वाड़ के लोगों ने इस पर आपत्ति जताई थी। तब से एक महीने से इस पर विवाद चल रहा था। अब बृहस्पतिवार को इस संबंध में पुलिस की मध्यस्थता में सहमति बनी। अब डौली देवलधार गांव से होते हुए गोपीनाथ मंदिर जाएगी। परंपरा के अनुसार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट 17 अक्तूबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। 18 अक्तूबर को सुबह करीब चार बजे भगवान की चल विग्रह उत्सव डौली मंदिर से प्रस्थान करेगी। जाख देवता मंदिर होते हुए डौली रात्रि प्रवास के लिए देवलधार गांव स्थित ज्वाला देवी मंदिर पहुंचेगी। 19 अक्तूबर को पूजा–अर्चना के बाद डौली भक्तों के साथ गोपीनाथ मंदिर पहुंचेगी। श्री रुद्रनाथ–गोपीनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष मनोज भट्ट ने बताया कि डौली आगमन को लेकर सभी पक्षों के बीच सर्वसम्मति बन गई है। थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी ने बताया कि मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने भी निर्णय पर सहमति जताई है। सोशल मीडिया पर इस संबंध में की जाने वाली टिप्पणियों और भ्रामक सूचनाओं पर नजर रखी जाएगी।

हरिद्वार, उधमसिंह नगर और चमोली बना चैंपियन

पुरेला (उत्तरकाशी)। कमल नदी तट स्थित खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय बालिका विद्यालयी कबड्डी प्रतियोगिता का बृहस्पतिवार को रोमांचक मुकाबलों के साथ समापन हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन विभिन्न आयु वर्गों के फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर–19 वर्ग में हरिद्वार, अंडर–17 में उधम सिंह नगर और अंडर–14 वर्ग में चमोली की टीम चैंपियन बनीं।अंडर–19 वर्ग के फाइनल में हरिद्वार ने देहरादून को 31–23 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस वर्ग में उधमसिंह नगर की टीम तीसरे स्थान पर रही। वहीं, अंडर–17 वर्ग का फाइनल बेहद रोमांचक रहा जिसमें उधमसिंह नगर ने हरिद्वार को 16–15 के करीबी अंतर से पराजित कर चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। इस वर्ग में देहरादून को तीसरा स्थान मिला।अंडर–14 वर्ग के फाइनल मुकाबले में चमोली की टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए देहरादून को 28–18 से शिकस्त दी और विजेता बनीं। समापन समारोह में नगर पालिका परिषद पुरेला के अध्यक्ष बिहारी लाल शाह ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि प्रतियोगिताएं बालिकाओं की खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं।

अंकिता के परिवार के साथ पुलिस की कार्रवाई निंदनीय : रावत

उत्तरकाशी। अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग कर रहे पीड़ित परिवार के साथ कथित पुलिस कार्रवाई की जिला कांग्रेस कमेटी उत्तरकाशी ने कड़ी निंदा की है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत ने कहा कि न्याय की गुहार लगा रहे परिवार के साथ ऐसा व्यवहार दुखद और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। प्रदीप रावत ने पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि अंकिता भंडारी के माता–पिता तथा पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौड़ की पत्नी की ओर से इस मामले में एक प्रभावशाली व्यक्ति का नाम सामने लाए जाने के बाद भी न्याय को लेकर गंभीर सवाल बने हुए हैं। ऐसे में संबंधित व्यक्ति को राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर नियुक्त किए जाने की खबरों ने निष्पक्ष न्याय की उम्मीदों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।



की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से शिक्षा का विस्तार होगा तथा समाज के व्यापक वर्ग तक ज्ञान की पहुंच सुनिश्चित की जा सकेगी। कुलपति ने भारतीय ज्ञान परंपराओं की विविधता, उनके ऐतिहासिक विकास, देश की समृद्ध बौद्धिक विरासत पर भी प्रकाश डाला। कौटिल्य के अर्थशास्त्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इसके पंद्रहवें अध्याय में अनुसंधान

पद्धति पर चर्चा की गई है, जो प्राचीन भारतीय साहित्य में निहित ज्ञान की गहराई और समृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने ऐसे महत्त्वपूर्ण ग्रंथों का विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने तथा उन्हें व्यापक स्तर पर उपलब्ध करने की आवश्यकता पर बल दिया। विषय विशेषज्ञ डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने भारतीय भाषाओं के संवर्धन में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रौद्योगिकी चिन्चालीसौड़ में पांच प्रगतिशील महिला किसान सम्मानित चिन्चालीसौड़। कृषि एवं स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों में सक्रिय योगदान के लिए पांच प्रगतिशील महिला किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र चिन्चालीसौड़ में महिला किसान दिवस पर सम्मानित किया गया। इनमें मथेली की गणिता जोगेला, बल्दोयी की प्रियंका राणा, कुमराड़ा की आरती देवी, जसपुर की बिमला देवी और टिपरी की सुनीता देवी शामिल हैं। कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत 7 से 15 अक्टूबर तक चले सात दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का भी समापन हुआ। इसमें कुल 102 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख रणवीर महंत ने किसानों से वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर फसल उत्पादन और आय बढ़ाने का आह्वान किया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. गौरव पणने ने महिला किसानों को कृषि आधारित उद्यमिता और स्थानीय उत्पादों के मूल्य संवर्धन के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने बर्नीगाड में दी कटोड़े की विकास योजनाओं की सौगात



नौगांव (उत्तरकाशी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरेला विधानसभा क्षेत्र के बर्नीगाड में आयोजित जन सेवा शिविर के

तकनीकी शिक्षा नहीं ले पा रहे छात्र—छात्राएं

उत्तरकाशी। केलशू घाटी के अगोड़ा गांव में भारत संचार निगम लिमिटेड की ओर से दो वर्ष पूर्व मोबाइल टावर स्थापित किया गया था लेकिन पिछले एक वर्ष से इसकी मशीनें खराब होने के कारण इसका संचालन बंद पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि नेटवर्क नहीं होने के कारण उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विद्यालयों में छात्र–छात्राएं कंप्यूटर की शिक्षा नहीं ले पा रहे हैं। साथ ही आपातकालीन स्थिति में सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासी संजय पंवार ने बताया कि बीएसएनएल की ओर से दो वर्ष पूर्व मोबाइल टावर लगाया गया था। लेकिन उसका संचालन कुछ दिन होने के बाद

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के प्रसिद्ध दयारा बुग्याल की खूबसूरती पर अब संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अनियोजित पर्यटन और मवेशियों के बढ़ते दबाव से दुर्लभ फूलों व वनस्पतियों का अस्तित्व खतरे में है। वहीं भू–धंसाव और भूस्खलन से हेरभेरे घास के मैदानों में खाइयां बन रही हैं। बुग्याल के निचले हिस्सों से बुग्याली घास का दायारा सिमटने लगा है। ऐसे में इस प्राकृतिक धरोहर को बचाने के लिए सरकारी मशीनरी और स्थानीय लोगों के साझा प्रयास जरूरी हो गए हैं।

समुद्रतल से करीब 11 से 12 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित दयारा बुग्याल पर लोगों की लापरवाही व वन विभाग की अनदेखी भारी पड़ रही है। वहां पर पिछले कुछ वर्षों में बुग्याल क्षेत्र में भू–धंसाव व भूस्खलन के



कारण घास के मैदान में खाइयां हो गई हैं। स्थानीय निवासी यजनवंद रावत का कहना है

आधारित बहुभाषी सामग्री के विकास के माध्यम से एक संपूर्ण उद्योग विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पुस्तकों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद केवल शब्दों के रूपांतरण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि मूल रचनाओं की अवधारणाओं, अर्थ और मूल भावना को भी सुरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस पहल की घोषणा केंद्रीय बजट 2025 में की गई थी, जिसके अंतर्गत 2.5 लाख पुस्तकों के विकसित किए जाने का प्रस्ताव है। इस अवसर पर कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आलोक सागर गौतम, डॉ. कविता भट्ट, प्रो. आर. एस. नेगी, प्रो. सीमा धवन, प्रो. डी. एस. नेगी, प्रो. एम. एस. नेगी, प्रो. सुरेंद्र सिंह बिष्ट, प्रो. बी. पी. नैथानी, बिड़ला परिसर के निदेशक प्रो. हरभजन सिंह चौहान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की भारतीय भाषा समिति के अकादमिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव, प्रो. नारायण दत्त (पूर्णाकालिक राज्य समन्वयक, उत्तराखंड), डॉ. अलका सूरि (राज्य समन्वयक, भारतीय भाषा समिति), डॉ. रचना विख्यकर्मा (अकादमिक समन्वयक), डॉ. सुधांशु भूषण (अकादमिक समन्वयक), डॉ. आलोक सागर गौतम (समन्वयक) ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

छात्रों को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : जिलाधिकारी गढ़वाल के दिशा–निर्देशों के क्रम में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में युवाओं एवं छात्र–छात्राओं को उद्यमिता एवं स्वरोजगार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक दिवसीय ह्यउद्यमिता एवं स्वरोजगार जागरूकता कार्यक्रमालाहू का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने छात्र–छात्राओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगार परक योजनाओं का लाभ उठाकर स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं को विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा संचालित कौशल विकास और रोजगार परक योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान प्राप्य विकास (मूल्यांकन एवं अनुश्रवण) के वित्त सहायक सुधीर रावत ने अपने विभाग से संचालित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उद्योग विभाग के सहायक प्रबंधक कमल कटारिया ने ह्यमुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना 2.0हू सहित

जर्जर भवन की मार, खतरे में पंचायत की चौपाल

उत्तरकाशी। धनारी पट्टी के मंजकोट गांव में पंचायत भवन की जर्जर हालत ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। भवन की दीवारों पर जगह–जगह दरारें पड़ने से इसके सुरक्षित होने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके बावजूद ग्रामीणों को न्याय पंचायत की बैठकें करने के लिए इसी भवन का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी भवन की मरम्मत नहीं कराई गई है।

मंजकोट गांव की प्रधान वंदना राणा और अमित राणा ने बताया कि मंजकोट गांव में वर्ष 2002 में पंचायत भवन का निर्माण किया गया था। लंबे समय से मरम्मत और देखरेख के अभाव में भवन की स्थिति खराब हो गई है। दीवारों पर पड़ी दरारें और भवन की जर्जर

हालत किसी संभावित हादसे की आशंका बढ़ा रही हैं। ऐसे में यहां न्याय पंचायत की बैठकें आयोजित करना ग्रामीणों के लिए चुनौती बना हुआ है।

कहा कि भवन की खराब स्थिति के संबंध में संबंधित विभाग को कई बार मौखिक और लिखित रूप से अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद भवन की मरम्मत के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि पंचायत भवन गांव की महत्वपूर्ण जरूरतों में शामिल है। न्याय पंचायत की बैठकों सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए भवन का उपयोग किया जाता है लेकिन इसकी जर्जर स्थिति के कारण लोगों को दिक्कत उठानी पड़ रही है।



उद्योग विभाग की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन उद्यमिता एवं कौशल विकास प्रभारी विकास प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो.

विमल कुकरेती, डॉ. छाया सिंह, प्रो. सुधीर रावत, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. गिरीश चन्द, डॉ. जुली, श्रीमती सावित्री सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी आदि मौजूद थे।

भराड़ीसैंण में बढ़ी ठंड, तापमान गिरा

कर्णप्रयाग। प्रदेश की शीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण में भी ठंड शुरू हो गई है। बृहस्पतिवार को सुबह से यहां बादल छाए रहे। साथ ही तापमान गिरकर लगभग 11–12 डिग्री पहुंच गया। भराड़ीसैंण विधानसभा भवन में 27 अस्तूबर से प्रदेश सरकार का विधानसभा सत्र प्रस्तावित है। इससे पहले ही मौसम ने करवट ली। बृहस्पतिवार को दिन भर बादल छाए रहे। भराड़ीसैंण में तेज हवाएं चलती हैं। ऐसे में यदि मौसम ठंडा बना रहा तो सत्र के दौरान कड़कें की ठंड का सामना माननीयों को करना पड़ सकता है। वहीं कर्णप्रयाग, नारायणबगड़, थराली और देवाल सहित आसपास के इलाकों में भी दिन भर बादल छाए रहे। तापमान में गिरावट आइं तो लोगों ने गरम स्वेटर, जैकेट सहित अन्य गरम कपड़े निकाल लिए।

राजकीय महाविद्यालय

का किया उद्घाटन

नौगांव (उत्तरकाशी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सड़क योजना के बुनियादी सुविधाओं की बड़ी सौगात देते हुए राजकीय 176.87 करोड़ की लागत महाविद्यालय बर्नीगाड़ का उद्घाटन किया। उन्होंने के 18 कार्य शामिल हैं।महाविद्यालय के स्थायी भवन एवं परिसर का निर्माण जल्द इसके अलावा लोनिवि पुरेला शुरू करने, राजा रघुनाथ देवडोकरी में मिनी स्टेडियम के छह करोड़ के पांच, बनाने और बर्नीगाड़ थाला चौक से राजकीय इंटर कॉलेज लोनिवि बड़कोट के 6.61 तक मोटर मार्ग निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने करोड़ के चार और सिंचाई राजकीय महाविद्यालय बड़कोट, पुरेला और चिन्चालीसौड़ खंड पुरेला के 5.12 करोड़ को उच्चीकृत करने की भी घोषणा की। राजकीय इंटर के तीन कार्यों का शिलान्यास कोलोज बर्नीगाड़ (कुंवा) में सेवा सेतु अभियान के तहत किया गया।

लोकार्पित कार्यों में पीएमजीएसवाई खंड पुरेला के अधिक की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं के 18.76 करोड़ के तीन शिलान्यास किया।

कार्य प्रमुख हैं। वहीं, सरस शिक्षा के 1.25 करोड़ के तीन, माध्यमिक शिक्षा के 1.36 करोड़ के एक और लोनिवि बड़कोट के 97 लाख रुपये के एक कार्य का लोकार्पण किया गया।

ज्ञानसू—डोबरा सड़क का डामरीकरण कार्य आठ माह बाद भी नहीं हुआ शुरू

नई टिहरी। ज्ञानसू, संगवान गांव डोबरा को जोड़ने वाली सड़क का आठ माह बाद भी डामरीकरण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। फरवरी में सड़क के डामरीकरण की यूआरआरडीए ने निविदा जारी की गई थी। डामरीकरण न होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में विभाग के प्रति आक्रेश है। उत्तराखंड ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण (यूआरआरडीए) देहरादून ने चंबा ब्लॉक के ज्ञानसू, संगवान गांव, डोबरा सात किलोमीटर सड़क के प्रथम और दूसरे फेज में सुधारिकरण और डामरीकरण कार्य के लिए 27 फरवरी 2026 को कई अन्य सड़कों के साथ निविदा आमंत्रित की थी। क्षेत्र पंचायत सदस्य पाटा कुलानंद चमोली, मनोज चमोली, राकेश गुसाई आदि ने बताया कि विभाग ने उसी दिन कई सड़कों के टेंडर खोल दिए, लेकिन ज्ञानसू–डोबरा सड़क की निविदा आज तक नहीं खोली



गई है। ग्रामीणों के लंबे संघर्ष के बाद लोनिवि चंबा ने वर्ष 2014–15 में ज्ञानसू–डोबरा सड़क का निर्माण कार्य करवाया। एक दशक

पशुपालकों को वितरित किए चारा बीज

पशुपालकों को

वितरित किए चारा बीज

गोपेश्वर। राजकीय पशु चिकित्साध्य चमोली में पशुपालन विभाग की ओर से चारा घास की प्रदर्शनी और गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान पशुपालकों को चारा बीज वितरित कर पशुओं के लिए पौष्टिक चारे की उपयोगिता बताई गई। वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी गोपेश्वर सदर डॉ. पुनीत भट्ट ने चारा उत्पादन की जानकारी दी। पशुचिकित्साधिकारी बछेर डॉ. अनु ने पशुओं में होने वाले रोगों, उनके निदान और टीकाकरण के बारे में बताया। क्षेत्र प्रसार अधिकारी सुधीर चमोली ने लाइवस्टॉक योजना की जानकारी दी। गोष्ठी में दर्शाली विकासखंड के विभिन्न गांवों के 60 पशुपालकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्हें 300 किलो जई और 20 किलो बरसीम का बीज वितरित किया गया।

पर ग्रामीणों की ओर से मवेशियों के छोड़े जाने के कारण बुग्याल, फूल व वनस्पति विलुप्ति के कगार पर हैं।

स्थिति इतनी दयनीय हो गई है कि अगर बुग्याल की घास का लुत्फ उठाना है तो दयारा बुग्याल के टॉप पर सूर्योटॉप व देवकुंड जाना होगा।

बुग्याल के निचले इलाकों पर अब बुग्याली घास देखना मुश्किल है। अगर बुग्याल बचाना है तो सरकारी मशीनरी और स्थानीय लोगों को मिलकर कार्य करना होगा। रेंज अधिकारी शेखर राणा का कहना है कि दयारा बुग्याल के संरक्षण के लिए निरीक्षण सहित रिपोर्ट तैयार कर उच्च स्तर पर भेजी जा रही है। वहां से स्वीकृति मिलने पर बुग्याल व वनस्पतियों के संरक्षण के लिए कार्य किया जाएगा।



दुबई / वाशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग ‘होर्मुज स्ट्रेट’ को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच जुबानी जंग और सैन्य टकराव चरम पर पहुंच गया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्पस की नौसेना ने अमेरिकी नौसैनिक बड़े पर सीधे हमले की चेतावनी दी है, जिसके जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कड़ा पलटवार करते हुए ईरान के दावों को खारिज कर दिया है। ‘अमेरिकी बड़े के आने का इंतजार कर रहे हैं’। आईआईजीसी नौसेना के कमांडर ने कड़ा रुख अपनाते हुए बयान जारी किया कि वे होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी नौसैनिक बड़े की मौजूदगी का इंतजार कर रहे हैं ताकि उस पर हमला कर उसे समुद्र में डुबोया जा सके। इसके साथ ही रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने यह दावा भी दोहराया कि रणनीतिक रूप से संवेदनशील इस समुद्री मार्ग पर पूरी तरह से ईरान का नियंत्रण स्थापित है। ईरान की इस सीधी चेतावनी के फौरन बाद अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट साझा कर तीखा जवाब दिया।

मेक्सिको में तूफान साइमन और रेचेल से आई बाढ़ में छह लोगों की मौत

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको के प्रशांत तट पर भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तूफान साइमन और रेचेल के कारण ये हालात बने हैं। तूफान साइमन मेक्सिको के प्रशांत तट की तरफ श्रेणी-1 के तूफान के रूप में धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। इसके कारण नायरित और सिलनालोआ राज्यों में भारी बारिश हो रही है। नदियों का जलस्तर बढ़ने और बाढ़ को देखते हुए अधिकारी सतर्क हैं। सप्ताहांत में इस तूफान के कारण दक्षिणी राज्य गुएरेरो में भी भारी बारिश हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हालांकि, सबसे ज्यादा नुकसान उत्तर में बाजा कैलिफोर्निया राज्य के तटीय शहर एम्सेनाडा में हुआ, जहां रेचेल तूफान के कारण आई बाढ़ में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। राज्य के अभियोजन कार्यालय ने बताया कि मृतकों में 13 वर्षीय एक लड़की शामिल है, जिसका शव रविवार को मिला था। इसके अलावा, 30 और 35 वर्ष की दो महिलाओं तथा चार साल के एक लड़के के शव सोमवार को बरामद किए गए। मंगलवार को एक जलधारा के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। बाजा कैलिफोर्निया में पांच अन्य लोग अब भी लापता हैं। इनमें से तीन एम्सेनाडा के हैं। इसके अलावा, एक पिता और पुत्र भी लापता हैं, जो शनिवार को कैलिफोर्निया की खाड़ी के तट पर स्थित सैन फेलिप में मछली पकड़ने गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। राज्य के नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार को करीब 300 सैन्यकर्मियों, पुलिसकर्मियों और बचावकर्मियों ने एम्सेनाडा की एल पिपिला जलधारा के आसपास तलाशी अभियान चलाया। इस बीच, मैक्सिकन नौसेना लापता मछुआरों की तलाश में जुटी रही। बाढ़ के पानी में वाहन बह गए, मकानों को नुकसान पहुंचा और कुछ समुदायों का संपर्क कट गया।

ग्रीस में अमेरिकी राजदूत लेती थीं रिश्तत, हटाया

एथेंस, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विवादों में घिरी ग्रीस में अमेरिकी राजदूत किम्बर्ली गिलफॉयल से इस्तीफा मांग लिया है। उन पर पैसे, उपहार और अन्य फायदों के बदले ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों तक पहुंच उपलब्ध कराने और ग्रीस सरकार को धमकाने के गंभीर आरोप लगे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केटी जकारिया ने मंगलवार को उनके इस्तीफा मांगे जाने की पुष्टि की। पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह अच्छा काम कर रही थीं, लेकिन जो कुछ मीडिया में सामने आ रहा था, वह हमें पसंद नहीं आया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कारोबारी एरिक डिटर्स ने दावा किया कि राजदूत ने ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों से मिलाने के बदले उनका एक लाख डॉलर का क्रेडिट कार्ड बिल भरने की मांग की थी।

ट्रंप की हूती लड़ाकों को चेतावनी: कहा- याद रखें चुनाव के बाद भी मैं ही सत्ता में रहूंगा; ईरान पर साधा निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों पर सऊदी अरब को निशाना बनाने और तेल की कीमतें बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने कहा कि हूती विद्रोही एक साल पहले अमेरिकी बमबारी के बाद शांत हो गए थे, लेकिन अब फिर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने इसके पीछे ईरान का हाथ होने की आशंका भी जताई। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा कि हूती विद्रोही बहुत खराब व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी हमलों के बाद हूती विद्रोहियों ने खुद रुकने का अनुरोध किया था और लंबे समय तक शांत रहे थे। अब

वे संभवतः ईरान के कहने पर फिर सामने आए हैं।

ट्रंप ने ईरान पर लगाया क्या आरोप : डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कमजोर राष्ट्र बताते हुए उसकी नौसेना, वायुसेना और अर्थव्यवस्था पर भी टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि हूती विद्रोही जानबूझकर तेल की कीमतें बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, संभवतः अमेरिकी चुनावों से पहले। ट्रंप ने कहा कि उन्हें यह समझाया जाना चाहिए कि वह चुनाव नहीं लड़ रहे हैं और भारी अंतर से जीत पहले ही हासिल कर चुके हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव के बाद वह इस घटना को नहीं भूलेंगे।

सऊदी अरब में तेल ठिकानों

अरामको पर हतियों का हमला : सना पर सऊदी की एयरस्ट्राइक, रियाद तक मिसाइलों की धमक

काहिरा, एजेंसी। सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनियों में शामिल अरामको के परिसर को निशाना बनाया गया। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक, परिसर की एक प्रशासनिक इमारत में सीमित आग लग गई। राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच तनाव बढ़ रहा है।

यमन की राजधानी सना में सऊदी गठबंधन ने हमला क्यों किया : सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मंगलवार को यमन की राजधानी सना में हवाई हमले किए। सना पर हूती विद्रोहियों का नियंत्रण है। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले प्रसारक अल मसिसा और स्थानीय लोगों ने हमलों की जानकारी दी। हमले से पहले गठबंधन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शहर में कई घंटे बाद भी तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इससे पहले गठबंधन ने सना के पश्चिम में स्थित सुबाह इंधन केंद्र को निशाना बनाया था।

सऊदी गठबंधन ने तेल भंडारण केंद्र पर क्या आरोप लगाए : सऊदी गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल मलिकी ने आरोप लगाया कि हूती विद्रोही मिसाइलों और ड्रोन के अपने हथियारों के भंडार के लिए यमन ऑयल कंपनी की सुविधा और उसके भूमित

सीजेपी को अमेरिका से मिल रही फंडिंग : मैरी मिलबेन का आरोप, कहा- भारत में अशांति फैलाने की रवी जा रही साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने बुधवार को सीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ‘अमेरिका में कॉकरोच जनता पार्टी’ को डोनर्स से फंडिंग मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह चुप रहने का समय नहीं है।भारत के सभी युवा देशभक्तों से अपील की कि वे आगे आएँ और इस संगठन की विनाशकारी सोच के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करें। मिलबेन ने ये बातें तब कहीं जब विपक्षी पार्टियों और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थक नई दिल्ली। विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। वे वोटर लिस्ट के ‘स्पेशल इंटेंसिव रिविजन’ (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। 41 साल के गायिका ने कहा कि सीजेपी नेता अधिजीत दिपके और उनकी पार्टी को अमेरिका में मौजूद ऐसे डोनर्स से फंडिंग मिल रही है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व में आपके भविष्य के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि यह चुप रहने का समय नहीं है और भारत के सभी बेहतरीन युवा देशभक्तों से अपील की कि

पोप लियो को लंग कैंसर की पुष्टि: रोम के अस्पताल में सफल रही फेफड़े की सर्जरी

वेटिकन सिटी / रोम, एजेंसी। ईसाई धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु 71 वर्षीय पोप लियो को फेफड़ों का कैंसर (लंग एडेंनोकार्सिनोमा) होने का पता चला है। वेटिकन द्वारा जारी आधिकारिक मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, मंगलवार को रोम के जेमेली अस्पताल में उनकी सफल सर्जरी की गई, जिसके तहत उनके दाहिने फेफड़े के निचले हिस्से को सुरक्षित निकाल दिया गया है।

90 मिनट चली सर्जरी, हालत स्थिर : वेटिकन ने स्पष्ट किया कि करीब 90 मिनट तक चले इस ऑपरेशन में किसी भी प्रकार की जटिलता सामने नहीं आई। प्रक्रिया पूरी तरह सफल रही और ऑपरेशन के बाद पोप सामान्य रूप से होश में आ गए। कुछ समय गहन निगरानी में रखने के बाद उन्हें अस्पताल के निजी कमरे में शिफ्ट कर दिया गया है।



और हवाई अड्डों को खाली करने की चेतावनी यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को सऊदी अरब में तेल ठिकानों के आसपास मौजूद कर्मचारियों और नागरिकों से वहां से निकलने को कहा। समूह ने इन ठिकानों को वैध निशाना बताया। हूती प्रवक्ता



इंधन डिपो का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह केंद्र राजधानी सना के ऊपर एक पहाड़ी पर स्थित है। गठबंधन ने नागरिकों से यमन ऑयल कंपनी के परिसर और आसपास के भंडारण क्षेत्रों को खाली करने को कहा था।

क्या पश्चिम एशिया में बिगड़ेंगे हालात : फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यमन में मंगलवार को किया गया हमला सैन्य कार्रवाई बढ़ाने का संकेत था या रियाद के हवाई अड्डे पर हाल में हुए जानलेवा हमलों के जवाब में सीमित कार्रवाई। हालांकि, अरामको परिसर पर हमले, सना में हवाई हमलों और रियाद की ओर मिसाइलों के खतरे ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। आने वाले समय में हालात किस दिशा में जाएंगे, यह अभी साफ नहीं है।

हूती मिसाइलों का मलबा रियाद के रिहायशी इलाकों में गिरा : सऊदी अरब के सिल्विल डिफेंस ने कहा कि नष्ट किए गए दो हूती मिसाइलों का

मलबा रियाद के रिहायशी इलाकों में गिरा, जिससे चार लोग घायल हो गए और 15 घरों को नुकसान पहुंचा. हूती द्वारा चलाए जा रहे ब्रॉडकास्टर अल मसीरा और निवासियों ने बताया कि सऊदी अरब के नेतृत्व में यमन में सेनाओं के गठबंधन ने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के कब्जे वाली यमन की राजधानी पर नए हवाई हमले किए. ये हमले तब हुए जब गठबंधन के प्रवक्ता ने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए इलाका खाली करने की अपील की. ?लोगों ने बताया कि शहर के पश्चिम में सुबाह प्यूल फैसिलिटी पर गठबंधन के हमले के कुछ घंटों बाद सना में जोरदार धमाके सुने गए, इससे पहले एक खास बयान में गठबंधन ने हूती-नियंत्रित राजधानी में आम लोगों से कहा था कि वे यमनी ऑयल कंपनी की साइट और पास के स्टोरेज एरिया को खाली कर दें. गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने हूती पर आरोप लगाया कि वे आगे आएँ और विनाशकारी ताकतों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करें। आपके प्रधानमंत्री, जिन्होंने 25 साल तक भारत की सेवा की है। 12 साल प्रधानमंत्री के तौर पर और लगातार तीन बार चुने गए। वे मेरे देश की विनाशकारी ताकतों के सामने झुकने वाले नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'इन चुनिंदा दानदाताओं का दुनिया भर में एक ही तरीका है। रूढ़िवादी वैश्विक नेताओं को निशाना बनाना, उस देश से अमेरिका में पड़े-लिखे व्यक्ति को ढूँढना। उन्हें कट्टरपंथी बनाना, उन्हें वापस देश भेजना और उन्हें अराजकता और तबाही फैलाने के लिए फंड देना। इनमें से कोई भी सफल नहीं हुआ है, लेकिन देश के विकास और शासन पर असर जरूर डाला है। अमेरिकी गायिका ने कहा कि लोकतंत्र और आजादी को बनाए रखने के लिए हमेशा एक जवाबी आंदोलन होना चाहिए। 'सऊदी एशिया के देश अजरबैजान उन्होंने कहा, 'भारत में एक नई आवाज के लिए यह समय है। वह आगे आए, संगठित हो और 'कॉकरोच पार्टी' की विनाशकारी सोच के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करें। उठो, युवा देशभक्तों उठो।



उनके लगभग एक सप्ताह तक अस्पताल में ही स्वास्थ्य लाभ लेने की संभावना है।

नियमित जांच में सामने आई थी गांठ : वेटिकन के अनुसार, इस गांठ का पहली बार पता नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान चला था। एहतियात के तौर पर और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई अवशेष न बचे, डॉक्टरों ने उनके

याह्ना सरी ने यह चेतावनी सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की ओर से यमन की राजधानी सना में हूती नियंत्रण वाले इलाके में स्थित यमनी ऑयल कंपनी के अल-सबाह केंद्रीय स्टेशन को खाली कराने के आदेश के बाद दी। गठबंधन के आदेश के कुछ ही समय बाद सना में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। हूती समर्थक मीडिया संस्थानों ने दावा किया कि सऊदी समर्थित बलों ने राजधानी के अल-सबाह इलाके में एक तेल प्रतिष्ठान पर हवाई हमले किए। अल जजीरा के संवाददाता युसुफ मावरी ने कहा कि उन्होंने सना में यमनी ऑयल के अल-सबाह केंद्रीय स्टेशन पर सऊदी अरब के हमले के दौरान

कि वे इस जगह और इसके अंडरग्राउंड फ्यूल डिपो का इस्तेमाल अपनी मिसाइलों और ड्रोन के हथियारों के जखीरे के लिए कर रहे हैं.

तेल कंपनी ने कहा- स्टोरेज खाली थी : ऐसा लगता है कि हूतियों को हमले का अंदाजा था. तेल कंपनी ने कहा कि उसकी स्टोरेज की जगहें खाली थीं और सऊदी हमले से तेल के भंडार या लोगों के लिए स्प्लाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा. फिर भी शहर में मौजूद लोगों ने कमी के डर से कुछ गैस स्टेशनों पर पहुंचे जिससे कारों की लाइनें लगा गईं.

मिसाइलों के लिए अलर्ट जारी किया : चेतावनी के कुछ ही समय बाद हूती मिलिट्री के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्ना सारी ने टेलीग्राम पर कहा कि सना पर किसी भी सऊदी हमले का सऊदी राजधानी रियाद में कड़ा और दर्दनाक जवाब दिया जाएगा. कुछ घंटों बाद सऊदी अरब ने रियाद और पूर्वी प्रांत की ओर आ रही मिसाइलों के लिए अलर्ट जारी किया, लेकिन जल्दी ही कहा कि खतरा टल गया है. गठबंधन ने कहा कि उसने रियाद और दक्षिणी प्रांत वादी अल-दावसिर समेत देश के कई इलाकों में हूती की लॉन्च की गई बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को रोक़ा दिया. रियाद के लोगों ने तेज धमाकों की आवाज सुनने की बात कही. इस्थोरेंस कंपनियों और सरकारी अधिकारियों की सलाह पर एयरलाइंस ने मंगलवार को अपने कई प्लेन रियाद से हटा लिए क्योंकि और हमलों का खतरा था।

मुस्लिम आबादी 96%, सेकुलर देश... हिजाब बैन के बाद अजरबैजान में सिस्टम वर्सेज स्टूडेंट!



बाकू, एजेंसी। अजरबैजान की आबादी लगभग 100 फीसदी मुस्लिम है. लेकिन संविधान सेकुलर. सरकार के आदेश में हिजाब पर सीधे प्रतिबंध नहीं है. लेकिन कानून कहता है कि वैसे लिबास न पहने जाए जिससे देश का सेकुलर कैरेक्टर प्रभावित हो. हालांकि नियम लागू होने के बाद हिजाब पहनकर स्कूल आने वाली छात्राओं को टोका जा रहा है. 'अगर क्लास में आना है तो हिजाब नहीं पहनना पड़ेगा.' जिस देश की आबादी की 96 फीसदी जनता मुस्लिम हो अगर वहां की सरकार ऐसे नियम निकाले तो थोड़ा चौंकना लाजिमी है. लेकिन सेंट्रल एशिया के देश अजरबैजान में ऐसा ही हुआ है. यहां की सरकार ने देश के सेकुलर फ्रेमवर्क को आधार मानते हुए सरकारी स्कूलों में ऐसे कपड़ों पर रोक लगाई गई, जो निर्धारित यूनिफॉर्म के अनुरूप नहीं हैं या शिक्षा के धर्मानरपेक्ष चरित्र के

की लगभग 96 प्रतिशत आबादी खुद को मुस्लिम मानती है. लेकिन वहां का संविधान देश को धर्मानरपेक्ष बताता है और साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी भी देता है. लेकिन यहां की सरकार ने देश के सेकुलर फ्रेमवर्क को आधार मानते हुए सरकारी स्कूलों में ऐसे कपड़ों पर रोक लगाई गई, जो निर्धारित यूनिफॉर्म के अनुरूप नहीं हैं या शिक्षा के धर्मानरपेक्ष चरित्र के

खिलाफ माने जाते हैं. इस आदेश में हिजाब का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया गया, लेकिन कई स्कूलों में इस नियम को हिजाब पहनने वाली छात्राओं के खिलाफ लागू किया गया. यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि अजरबैजान की आम जनता पर हिजाब पहनने की मनाही नहीं है. इसके बाद अजरबैजान में हंगामा शुरू हो गया है. मुस्लिम बहुल इस देश में स्कूलों के नए

पाकिस्तान में रेल हादसा, पटरी से उतरी पूरी ट्रेन, छह यात्रियों की मौत

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार को एक यात्री ट्रेन के पटरी से उतर गई. इस रेल हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह ट्रेन हादसा सुबह 5.15 बजे के आसपास हुआ और ट्रेन करारची से रेशावर जा रही थी.अधिकारियों ने बताया कि ‘रहमान बाबा एक्सप्रेस’ के सभी 14 डिब्बे मुल्तान में शेरशाह पुल के पास पटरी से उतर गए. पाकिस्तान रेलवे के

प्रवक्ता बाबर अली ने बताया कि ट्रेन में लगभग 500 यात्री सवार थे. उन्होंने लोको पायलट के बयान के हवाले से बताया कि जब ट्रेन मुल्तान के शेरशाह स्टेशन से गुजर रही थी, तो उसे अचानक एक झटका महसूस हुआ जिसके बाद उसने ब्रेक लगाए. उन्होंने कहा, ‘जब ट्रेन रुकी, तो उसके लगभग 14 डिब्बे पटरी से उतर चुके थे. प्रवक्ता ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. जबकि राहत और बचाव दल ने पटरी से उतरे डिब्बों या यात्रियों को निकालने का अभियान शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा, ‘एक यात्री के डिब्बे के भीतर फंसे होने की सूचना है और बचावकर्मों उस तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं’. पुलिस ने बताया

लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि रोबोट को पहले से प्रोग्राम किया गया था या उसे रिमोट के जरिए उसी समय नियंत्रित किया जा रहा था। इस तरह की घटना पुलिस के लिए नया अनुभव है। जांच के दौरान रोबोट की तकनीकी कार्यप्रणाली और घटना में उसकी भूमिका को समझने की कोशिश की जा रही है। **कार की डिवक्की से पिला रोबोट :** पुलिस ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि एक फास्ट-फूड रेस्तरां के पास घटना का आरोपी रोबोट एक मानव नियंत्रित रोबोट है। पुलिस ने बताया कि रोबोट को दो युवक नियंत्रित कर रहे थे। पुलिस इस बात की जांच कर रहे हैं कि घटना में दोनों युवक भी शामिल थे या नहीं। दोनों युवकों पर अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है, लेकिन उन्हें सॉफ़्ट माना जा रहा है।

लड़कों के साथ गलत हरकत करने का आरोप : पुलिस के मुताबिक, शनिवार और रविवार की दरमियानी रात यह घटना हुई। आरोप है कि दो युवकों द्वारा नियंत्रित रोबोट ने 16 वर्षीय लड़की के निजी अंगों को छुआ और यौन उत्पीड़न जैसी हरकतें कीं। युवकों पर घटना का वीडियो बनाने, उसे लाइव स्ट्रीम करने और ऑनलाइन टिप्पणियां करने का भी आरोप है। पुलिस अब वीडियो और अन्य सबूतों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि वह यह पता

ड्रेस कोड को लागू करने के तरीके में विरोध की लहर पैदा कर दी है. हिजाब पहनीं छात्राएं कह रही हैं कि उन्हें क्लास में नहीं जाने दिया जा रहा है, दूसरी छात्राएं उनके समर्थन में क्लास का बहिष्कार कर रही हैं और पुलिस ने प्रदर्शनों के सिलसिले में 37 लोगों को गिरफ्तार किया है. इस विवाद का सबसे अहम पहलू यह है कि अजरबैजान की सरकार ने अपने आदेश में हिजाब पर सीधे प्रतिबंध लगाने की बात नहीं लिखी है. लेकिन धर्मानरपेक्ष शिक्षा और एक समान स्कूल यूनिफॉर्म के नाम पर बनाए गए नियमों की वजह से कई स्कूलों में हिजाब पहनने वाली छात्राओं को स्कूलों में रोका जा रहा है. यही वजह है कि विवाद अब सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार और राज्य की सीमाओं पर सवाल उठा रहा है।

पाकिस्तान में रेल हादसा, पटरी से उतरी पूरी ट्रेन, छह यात्रियों की मौत



कि दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई है और 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं. राहत और बचाव कार्यों में सहायता के लिए मुल्तान से एक राहत ट्रेन और मेडिकल वैन दुर्घटनास्थल के लिए रवाना की गईं. वहीं, रेल हादसे के बाद अप और डाउन दोनों लाइन पर रेल यातायात निलंबित कर दिया गया, जिससे इस मार्ग पर रेल सेवाएं बाधित हुईं. मुल्तान के आयुक्त आमीर करीम खान ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया. उन्होंने प्रभावित यात्रियों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया. एक यात्री ने मीडिया को बताया कि दुर्घटना से पहले रोहरी के पास कर्मचारियों ने बोगी नंबर-नौ के नट-बोल्ट की मरम्मत की थी. ‘जियो न्यूज’ के अनुसार, इस दावे की सत्यापन रूप से पुष्टि नहीं हुई है और यह भी अभी स्पष्ट नहीं है कि इस मरम्मत का ट्रेन के पटरी से उतरने से कोई संबंध था या नहीं. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रेल हादसे पर दुख व्यक्त किया. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने और घायलों को बिना किसी देरी के बेहतर मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।



रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है सूर्य नमस्कार

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। कोविड महामारी के समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं-

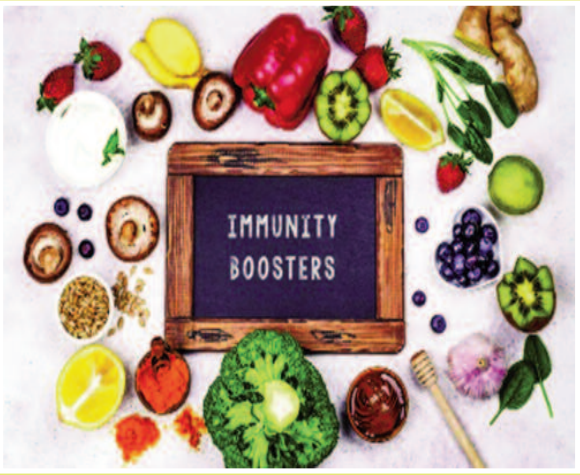
- सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें-
- दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केन्द्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ॐ मित्राय नमः' मंत्र के द्वारा करें।
- श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केन्द्रित करें।
- तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे-धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं-बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केन्द्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।
- इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिंचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखकृति सामान्य रखें।

मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

- मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते हैं, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे -
- मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।
 - अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।
 - दि आपकी भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।
 - गुरुसैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।
 - निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।
 - हृदयरोग की रोकथाम



लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बढ़ेगी इम्युनिटी



इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।

खराब जीवनशैली

यदि आपके पास ठीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक़्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह ठीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

कब हुई थीं सालाना जांचें ?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरुआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेट कर लें। काम के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पाॅट रनिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्युशन्स उपलब्ध कराती हैं।

पानी कब पिया था ?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था ? पानी न सिर्फ हाईड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम ठीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा ठीक रहे। मेटाबॉलिक सिस्टम के बिगड़ते ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरुस्त कर लेना आपके लिए बिलकुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल टान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरुआत कर सकते हैं। यदि आप रोज देर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आंवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आंवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। संतरे का रस अथवा आंवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरुआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिटी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।



जब भी हमें छोटी-मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से है तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

- एंटीबायोटिक - हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।
- औषधियां - जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू औषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।
- नींद - पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।
- शुगर - शर्करा खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे

एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

- सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपकी सेहत का पूरा हिसाब गड़बड़ कर देगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।
- धूप है जरूरी - त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।
- जिक - जिक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिक की गोलियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिक प्राप्त हो।
- पतेदार सब्जियां - पतेदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।

कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एंटी बैक्टीरियल व एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम

हो जाता है। इसके साथ-साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, फ्लू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन को करें मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ी बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।



उत्तराखंड में हर जिले में बनेगा कम से कम एक कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्र



देहरादून। उत्तराखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन की सुविधाओं को बेहतर बनाने और उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में शासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में आयोजित व्यय वित्त समिति की बैठक में विभिन्न

विभागों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बैठक में मुख्य रूप से डिग्री कॉलेजों के निर्माण कार्यों, परीक्षा भवनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने, कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्र विकसित करने और आईटीआई भवनों में आधारभूत सुविधाएं

सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। निर्माण कार्यों में देशी पर मुख्य सचिव नाराज उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत डिग्री कॉलेजों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कार्यदायी संस्था मंडी परिषद की ओर से विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों में हो रही धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक परियोजना के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की जाए और कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने तथा परियोजनाओं की आवश्यकता के अनुसार प्राथमिकताएं तय करने पर भी बल दिया।

कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के निर्माण को मिलेगी प्राथमिकता

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि डिग्री कॉलेजों में निर्माण कार्य इस प्रकार किए जाएं, जिससे विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समय पर पूरा किया जा सके। इसके लिए कक्षाओं के साथ प्रयोगशालाओं के निर्माण को प्राथमिकता देने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपलब्ध संसाधनों और आवश्यकताओं के

अनुरूप परियोजनाओं का प्राथमिकता निर्धारण किया जाए, ताकि जिन सुविधाओं की विद्यार्थियों को तत्काल आवश्यकता है, उन्हें पहले उपलब्ध कराया जा सके।

हर जिले में कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्र विकसित करने पर जोर

बैठक का एक महत्वपूर्ण मुद्दा डिग्री कॉलेजों में परीक्षा भवनों को आधुनिक तकनीक के अनुरूप विकसित करना रहा। मुख्य सचिव ने परीक्षा हॉल को कंप्यूटर आधारित परीक्षा यानी सीबीटी (उद्देश्य ४३१, इंटरैक्टिव) के अनुकूल बनाने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के प्रत्येक जनपद में कम से कम एक ऐसा परीक्षा केंद्र विकसित किया जाना चाहिए, जहां कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की प्रतियोगी परीक्षाएं कंप्यूटर आधारित प्रणाली से आयोजित की जा सकें।

इस पहल का उद्देश्य प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन की क्षमता बढ़ाना और अभ्यर्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। आधुनिक परीक्षा केंद्र विकसित होने से राज्य में ऑनलाइन परीक्षा व्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

बदरीनाथ हाईवे प्रवेश द्वार से ही बदहाल

ज्योतिर्मठ/गोपेश्वर। बदरीनाथ हाईवे ज्योतिर्मठ नगर में पहुंच गया है। नगर के पेट्रोल पंप से मारवाड़ी तक करीब दस किमी के दायरे में बीआरओ की ओर से चौड़ीकरण कार्य किया जा रहा है लेकिन कई जगह सड़क पर भूधंसाव और मार्ग संकरा होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। इससे बदरीनाथ धाम की यात्रा पर जा रहे तीर्थयात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति के प्रवक्ता कमल रतुड़ी ने बताया कि हाईवे की स्थिति नगर के प्रवेश द्वार से ही खराब है। द्रोणागिरी होटल के पास कुछ दिन पहले बीआरओ ने गड्ढों में मिट्टी का भरान किया था लेकिन नाली निर्माण नहीं होने से यहां दोबारा गड्ढे बन गए हैं। इससे दोपहिया वाहन चालक फिसल रहे हैं। वहीं चौड़ीकरण के दौरान कई जगह सड़क किनारे बोल्टडर अटक रहे हैं जिन्हें अभी तक नहीं हटया गया है। इससे वाहनों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। पूर्व ग्राम प्रधान लक्ष्मण बुटोला ने कहा कि शीतकाल में हाईवे चौड़ीकरण का कार्य तेजी से पूरा करने और नगर क्षेत्र में सड़क की स्थिति सुधारने की बात कही। वहीं बीआरओ के अधिकारियों का कहना है कि हाईवे चौड़ीकरण का कार्य युद्धस्तर पर कराया जाएगा।



अस्पताल से अचानक बिना बताए निकली गर्भवती



चमोली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो दिन से भर्ती एक गर्भवती महिला अस्पताल से अचानक चली गई। इस दौरान गर्भवती ने नर्सिंग मंदिर पैदल मार्ग पर ही एक बच्चे को जन्म दिया। जिसकी सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर

पहुंची और दोनों जच्चा बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंची। दोनों सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि जब नेपाली मूल की महिला प्रसव के लिए अस्पताल में थी तो वहीं उस समय पहले से ही एक महिला का प्रसव कराया जा रहा था। डॉक्टरों ने गर्भवती महिला को बाहर कुछ देर इंतजार करने को कहा, लेकिन वह बिना बताए ही अस्पताल से निकल गई। दूसरी महिला के प्रसव के बाद महिला को अस्पताल में नहीं दिखने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला को ढूँढने निकली तभी स्थानीय लोगों की सूचना मिलने के बाद टीम पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास पहुंची जहां पर महिला प्रसव पौड़ा में थी। तभी महिला का सफल प्रसव कराया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी डॉ गौतम ने बताया कि अस्पताल ने दोनों स्वास्थ्य हैं।

संक्षिप्त समाचार

रिकॉर्ड रूम में प्रिंटर और स्कैनर की सुविधा नहीं

नई टिहरी। राजकीय अभिलेखागार के रिकॉर्ड रूम में प्रिंटर और स्कैनर की व्यवस्था नहीं करने पर डीएम नितिका खंडेलवाल ने कड़ी नाराजगी जताई। पूर्व में दिए गए निर्देशों की अनदेखी पर उन्होंने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगाने के निर्देश दिए। बहुस्पर्तिवार को डीएम नितिका ने राजकीय अभिलेखागार का औचक निरीक्षण कर विभिन्न पत्रावलियों और अभिलेखों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने नक्शों और अन्य अभिलेखों की प्रतिलिपि लेने आए ग्रामीणों से बातचीत कर सुविधाओं की जानकारी ली। लोगों ने डीएम को बताया कि अभिलेखों की प्रतिलिपि लेने के लिए उन्हें बाहर निजी प्रिंटिंग प्रेस जाना पड़ता है। डीएम ने रिकॉर्ड रूम के बाहर स्कैनिंग और प्रिंटिंग के निर्धारित शुल्क की दर सूची स्पष्ट रूप से चस्पा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद डीएम सीधे कलेक्ट्रेट के समीप स्थित निजी प्रिंटिंग प्रेस पहुंची। वहां फोटोकॉपी की दर सूची नहीं लगी होने पर उन्होंने नाराजगी जताई और प्रत्येक प्रकार की फोटोकॉपी का शुल्क स्पष्ट करते हुए दर सूची तत्काल लगाने के निर्देश दिए।

मेले में लोगों को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी

नरेंद्रनगर (टिहरी)। कुंजापुरी पर्वटन एवं विकास मेले में विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लोगों को कानूनी अधिकारों के साथ महिला सुरक्षा और अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रेय गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। ताकि शोषण, अन्याय और उत्पीड़न की स्थिति में कानून का सहारा लिया जा सके। पीडित लोग विधिक सेवा संस्था से निशुल्क कानूनी सहयोग भी ले सकते हैं। उन्होंने महिलाओं को घरेलू हिंसा, संरक्षण अधिनियम, दहेज अधिनियम,कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न, महिला सुरक्षा आदि के बारे में जानकारी दी। कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारियों की जानकारी होनी चाहिए। किसी प्रकार के उत्पीड़न पर तत्काल प्राधिकरण और पुलिस की सहायता लेनी चाहिए। उन्होंने बाल विवाह, बाल संरक्षण, साइबर अपराध, धोखाधड़ी आदि पर कानूनी जानकारी दी। कहा कि कानूनी जागरूकता से सशक्त समाज बनता है।

प्रेम सद्भाव में गुरु की महत्ता का संदेश : इंद्रजीत

नरेंद्रनगर(टिहरी)। सिद्धपीठ कुंजापुरी मेले में संत निरंकारी मिशन की ओर से आयोजित सस्त्रंग में ज्ञान प्रचारक इंद्रजीत सिंह ने श्रद्धालुओं को प्रेम सद्भाव, अच्छे संस्कार और गुरु की महत्ता का संदेश बताया। कहा कि मानव जीवन वास्तविक सफलता, एक दूसरे से प्रेम करने और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत बनाता है। कहा कि मनुष्य जिस नजरिये से संसार को देखता है, उसके विचार उसी के अनुरूप बनते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सोच सकारात्मक रखनी चाहिए। किसी भी कार्य को पूरे मनोयोग, निष्ठा और समर्पण की भावना करना चाहिए। कहा कि बिना गुरु के मनुष्य का आध्यात्मिक कल्याण संभव नहीं है। इस मौके पर जोनल इंचारज हर्षजन सिंह, गम्बर सिंह चौहान, संयोजक कल्याण सिंह नेगी, ज्योति नेगी आदि मौजूद थे।

आधुनिक तकनीक से जोड़कर खेती को बनाए लाभकारी : कुलपति

नई टिहरी। पर्वतीय क्षेत्रों में खेती को बढ़ावा देने और महिला किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से बहुस्पर्तिवार को वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी परिसर में किसान मेले का आयोजन किया गया। कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र रानीचौरी की संयुक्त पहल पर अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित मेले में किसानों ने प्रतिभाग किया। मेले में स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। किसान मेले का शुभारंभ वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्योगिकी एवं वानिकी विवि के कुलपति डॉ. भगवती प्रसाद भट्ट और सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने किया।

तय समय पर सड़कें गह्वामुक्त नहीं होने पर गढ़वाल आयुक्त सख्त

देहरादून। गढ़वाल मंडल में सड़कों को गह्वामुक्त करने के अभियान में निर्धारित समयसीमा के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल नहीं होने पर गढ़वाल मंडल आयुक्त आनंद स्वरूप ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने संबंधित निर्माणदायी संस्थाओं के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए शेष कार्य हर हाल में 16 अक्टूबर 2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि सड़क मरम्मत के कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी संस्थाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। गुरवार को देहरादून स्थित कैप कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान गढ़वाल आयुक्त ने विभिन्न निर्माणदायी संस्थाओं के अंतर्गत आने वाली सड़कों की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जनपद में सड़कों को गह्वामुक्त करने का लगभग 95 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है, जबकि शेष सड़कों पर मरम्मत का कार्य तेजी से जारी है। इन सभी कार्यों को 16 अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने जताया जान का खतरा

हल्द्वानी/देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में हल्द्वानी से कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश के कथित बयानों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। सामने आई जानकारी के अनुसार, विधायक ने अपनी जान को खतरा होने की आशंका जताते हुए प्रदेश में नेताओं के फोन टैप किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी गाड़ी का एक्सीडेंट कराए जाने की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आना अभी जरूरी है। फोन टैपिंग को लेकर लगाए गंभीर आरोप प्रांत जानकारी के मुताबिक, सुमित हृदयेश ने दावा किया है कि प्रदेश में एक बड़ा गैंग नेताओं के फोन टैप कर रहा है। यह आरोप राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़े कई सवाल खड़े करता है। यदि इन दावों की पुष्टि होती है, तो मामले में संबंधित एजेंसियों की भूमिका, निगरानी की प्रकृति और जिम्मेदार लोगों की पहचान जैसे पहलुओं की जांच महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल, किसी गैंग की



भारी बारिश से प्रभावित हुआ मरम्मत कार्य समीक्षा बैठक में निर्माणदायी संस्थाओं के अधिकारियों ने बताया कि विगत दिनों हुई भारी बारिश के कारण सड़कों की मरम्मत और डामरीकरण का कार्य प्रभावित हुआ। बारिश के

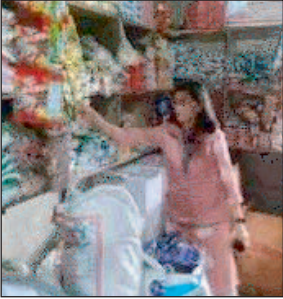
बाद डामरीकरण के लिए आवश्यक ताम्रामन अनुकूल नहीं मिल पाने से कुछ स्थानों पर काम निर्धारित गति से नहीं हो सका। हालांकि, इसके बावजूद अधिकांश सड़कों को गह्वामुक्त किया जा चुका है और शेष कार्य को

एसआईआर में छूटे मतदाताओं को जोड़ने के लिए चलेगा विशेष अभियान

गोपेश्वर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में छूटे पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ने, नए मतदाताओं के पंजीकरण और दावे-आपत्तियों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय उत्तराखंड ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार अभियान का उद्देश्य किसी भी पात्र नागरिक को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित रहने से रोकना और अपात्र व्यक्तियों के नाम सूची से हटाना है। इसके तहत बुध लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर एसआईआर में हटाए गए नामों का सत्यापन करेंगे और पात्र मतदाताओं की स्थिति का परीक्षण करेंगे। युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले पात्र नागरिकों को भी पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने दुकानों से 24 सैपल भरे

नई टिहरी /चंबा। त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों में ग्लिस्टाट की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने चंबा, बीपुरम और बौराड़ी क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 24 नमूने और दवाओं के चार नमूने जांच के लिए एकत्रित किए गए। निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं मिलने पर दो खाद्य प्रतिष्ठानों और चार दवा विज्ञानों को नोटिस जारी किए गए। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा ने बताया कि चंबा ब्लॉक में खाद्य प्रतिष्ठानों और दवा दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। बीपुरम और बौराड़ी क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। चंबा क्षेत्र में खाद्य पदार्थों के 10



नमूने लिए गए। वहीं, बीपुरम और बौराड़ी में मृगफली, मखाना, घी, कुट्टू का आटा, साबुत दाना, कच्चे चावल, लस्सी, छाछ, सूजी, काला चना, मिक्स दाल, मिक्स मसाला और सरसों के तेल समेत 14 खाद्य नमूने एकत्रित किए गए। इस मौके पर औषधि निरीक्षक त्रुषभ धामा, सहायक श्री चंद शामिल रहे।

देहरादून के 19 शैडो एरिया में पहुंचेगा मोबाइल नेटवर्क

देहरादून। जनपद के दूरस्थ और वन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या दूर करने के लिए जिला प्रशासन ने काम कर ली है। विधानसभा चुनाव से पहले जिले के सभी चिह्नित नेटवर्क वहीन एवं कमजोर कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क पहुंचाने के लिए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने दूरसंचार कंपनियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधार संहिता लागू होने से पहले सभी 19 चिह्नित शैडो एरिया में मोबाइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए युद्धस्तर पर काम किया जाए। गुरवार को जिला टेलीकॉम समिति एवं नेशनल ब्रॉडबैंड मिशन की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने बीएसएनएल सहित सभी दूरसंचार कंपनियों के अधिकारियों को नेटवर्क विस्तार के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में संचार सुविधाओं की उपलब्धता प्रशासन की



प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करें और निर्धारित समयसीमा में लक्ष्य पूरा करें।

मसूरी में 7 और चक्रवात में 12 शैडो एरिया चिह्नित जिलाधिकारी के अनुसार, जनपद में कुल 19 ऐसे क्षेत्र चिह्नित किए गए हैं, जहां

मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है या कनेक्टिविटी बेहद कमजोर है। इनमें मसूरी विधानसभा क्षेत्र के सात और चक्रवात विधानसभा क्षेत्र के 12 क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में मोबाइल टावर स्थापित करने के दौरान यदि राजस्व भूमि अथवा वन भूमि से संबंधित कोई बाधा सामने आती है, तो उसका तत्काल समाधान किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर भूमि संबंधी समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए, ताकि नेटवर्क विस्तार के कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। निष्क्रिय मोबाइल टावरों को तत्काल चालू करने के निर्देश जिलाधिकारी ने सभी दूरसंचार कंपनियों को अपने मोबाइल टावरों और नेटवर्क कनेक्टिविटी का स्थलीय निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि जो टावर वर्तमान में निष्क्रिय हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त कर मोबाइल सेवाएं बहाल की जाएं। जिन क्षेत्रों में किसी भी दूरसंचार कंपनी का मोबाइल टावर उपलब्ध नहीं है, वहां प्राथमिकता के आधार पर बीएसएनएल को नए टावर स्थापित करने की कार्ययोजना पर तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए। 170

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

फीफा-ई फाइनल्स टला, सऊदी अरब पर हमला बना वजह

नई दिल्ली । फीफा और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ने फीफा-ई फाइनल्स 2026 को टाल दिया है। इवेंट 16 से 25 अक्टूबर तक जेद्दा में होने वाला था। यह फैसला हाल ही में रियाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद लिया गया है। 10 अक्टूबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में फिंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 लोग मारे गए और 309 घायल हो गए। यमन के ईरान से जुड़े हूती मूवमेंट ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसे एक दशक से ज्यादा समय में देश का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। इवेंट के आयोजक ने एक बयान में कहा, ‘यह फैसला इलाके में हाल के डेवलपमेंट और टूर्नामेंट को कराने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक इंतजामों पर उनके असर की जांच के बाद लिया गया है।’ इसमें कहा गया है कि फीफा-ई फाइनल्स के बारे में आगे की घोषणाएं सही समय पर की जाएंगी। बयान में कहा गया, ‘फीफा ने सऊदी अरब और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन के फीफा-ई फाइनल्स 2026 की तैयारियों में दिए गए सपोर्ट और सहयोग की तारीफ की, जो सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के पिछले एडिशन की सफल मेजबानी के आधार पर किया है।’

ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका: ग्रीन के दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट 18 अक्तूबर से शुरू हो रहा है। पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में आगे चल रही ऑस्ट्रेलिया की दूसरे टेस्ट से पहले मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का चोट की वजह से दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय बरकरार है। डरबन टेस्ट में जीत के बाद कोच मैकडोनाल्ड ने ग्रीन की स्थिति पर अपडेट दिया। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि ग्रीन बल्लेबाज के तौर पर बेशक फिट हो जाएं, लेकिन इस सीरीज में उनके गेंदबाजी करने की संभावना बेहद कम है। उन्होंने कहा, ग्रीन अच्छी प्रोग्रेस कर रहे हैं। अगले तीन-चार दिनों में उन्हें कुछ टेस्ट से गुजरना है। सॉफ्ट टिश्यू इंजरी है, इसलिए इसमें तेजी से सुधार भी हो सकता है। जोश ने इस टेस्ट के दौरान लंच टाइम में नेट्स के पीछे कुछ शॉट्स खेले और वह ठीक रहा। अब यह देखना है कि रिव्लेंट के साथ उसे कितना आराम है। गंकेबरहा में उनके सेशन होंगे, तब हमें ज्यादा जानकारी मिलेगी। अगर ग्रीन गंकेरहा या केप टाउन टेस्ट के लिए उपलब्ध होते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के सामने मध्य क्रम का संयोजन तलाशने की चुनौती होगी। इसका असर ब्यु वेबस्टर पर पड़ सकता है, जिन्हें अपनी जगह बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। मालुम हो कि अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में ग्रीन ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल बल्लेबाज थे। ग्रीन की चोट के कारण ही डरबन में ऑस्ट्रेलिया को बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ा था। मैट रेनशॉ को नंबर 5 पर भेजा गया और निक मैडिनसन को ट्विंस हेड के साथ ओपनिंग कराई गई, जिसका फैसला कप्तान पेट कमिंस ने लिया था।

विश्वजीत ने जीता सिल्वर मेडल

लास वेगास । भारतीय पहलवान विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने गुरुवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी में भारत के लिए पहला सिल्वर मेडल जीता। अंडर-23 वर्ल्ड लेवल पर दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके मोरे पुरुषों के 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन फाइनल के आखिरी पलों में जॉर्जिया के कोबा कारुमिंदजे से 12-13 से हार गए। मोरे अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मेडल जीतने वाले भारत के एकमात्र ग्रीको-रोमन पहलवान हैं। वह मंगलवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने वाले भारत के पहले ग्रीको-रोमन पहलवान भी बने थे। उन्होंने तीन कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मेक्सिको के इसाक मारिन माटा को 10-8 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिससे क्वाटर फाइनल में उनका मुकाबला ईरान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन आर्मिन शमसीपौर से हुआ। शमसीपौर के कंधे में चोट लग गई थी, और मोरे ने एक ‘फोर-पॉइंटर थ्रो’ (चार अंक दिलाने वाला दांव) का इस्तेमाल

बिग बैश मेंफिर साथ खेलेंग रिशाद और जम्पा

नई दिल्ली । होबार्ट हरिकेंस ने बिग बैश लीग 16 के लिए बांग्लादेश के लेग-स्पिनर रिशाद हुसैन को टीम के साथ बरकरार रखते हुए अपनी स्पिन गेंदबाजी को मजबूत किया है। टीम उन्हें ऑस्ट्रेलियाई एडम जम्पा के साथ इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। हुसैन को दोबारा साइन करने से मौजूदा टीम को नए सीजन में एक मजबूत स्पिन कॉम्बिनेशन मिल गया है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने बिग बैश लीग के अपने पहले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। होबार्ट के लिए, जम्पा को शामिल करने के बावजूद हुसैन को वापस लाना एक प्राथमिकता थी। हरिकेंस के जनरल मैनेजर-हाई परफॉर्मेंस सैलियन बीम्स ने कहा कि फ्रेंचाइजी में लौटने के लिए स्पिनर के उत्साह ने एग्जीमेंट को आसान बनाया। उन्होंने कहा, ‘रिशाद ने हमें यह बिल्कूल साफ कर दिया

था कि उन्हें पिछले सीजन में होबार्ट में बिताया गया समय बहुत पसंद आया और वे वापस आना चाहते थे। यह निश्चित रूप से हमारे लिए बहुत मायने रखता था। एडम जम्पा के शामिल होने से हमारी लिस्ट थोड़ी अलग हो गई थी, लेकिन जब रिशाद जैसी क्वालिटी का खिलाड़ी हरिकेन्स में लौटने के लिए इतना पक्का इरादा रखता है, तो हम ऐसा करने के हर मौके का फायदा उठाना चाहते हैं।’

रियल मैड्रिड की शानदार जीत, एएस रोमा को 4-3 से हराया

रोम । जोस मोरिन्हो को रियल मैड्रिड ने एएस रोमा के खिलाफ आखिरी 7 मिनट में तीन गोल करते हुए 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और मुकाबला 4-3 से जीता। 83वें मिनट तक मोरिन्हो की टीम 3-1 से पीछे थी, लेकिन एस्मी, एड्रिंक और रुडिगर ने सिर्फ 8 मिनट में मैच पलट दिया और यूरोप में अपनी दूसरी जीत पक्की कर ली। मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई। चौथे मिनट में ही कोटोईस को हर्मोसो का शॉट रोकने के लिए शानदार सेव करना पड़ा। 16वें मिनट में रोमा ने बढ़त ले ली, जब डी रून का शॉट उनके ही साथी मालेन से टकराकर दिशा बदलते हुए गोल में चला गया। हालांकि, रोमा की बहुत सिर्फ 5 मिनट ही रही। 25वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने लॉग-रेंज से शॉट मारा, जो मैनसिनी से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर गोलिनी को छकाते हुए अंदर चला गया और स्कोर 1-1 हो गया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में दोनों टीमों के पास मौके आए। कुकुरेला छत्ती से गेंद नियंत्रित कर बॉक्स में घुसे, लेकिन उनका शॉट टारगेट से चूक गया। एक्स्ट्रा टाइम



इतिहास रचने के करीब मंधाना

133 रन बनाते ही बनांणी कीर्तिमान

रायपुर, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की नवनियुक्त कप्तान स्मृति मंधाना जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के दौरान इतिहास रच सकती हैं। मंधाना इस टी20 सीरीज से कप्तान के तौर पर नई जिम्मेदारी शुरू करेंगी, लेकिन इस दौरान उनके पास बड़ा कीर्तिमान बनाने का भी मौका होगा। भारतीय सलामी बल्लेबाज मंधाना टी20 क्रिकेट में पांच हजार रन पूरे करने से महज 133 रन दूर हैं। यह ऐसी उपलब्धि होगी जिसे महिला क्रिकेट में अब तक कोई हासिल नहीं कर सका है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज शुक्रवार से शुरू होगी। यह पहला अवसर है जब भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीम द्विपक्षीय सीरीज में एक-दूसरे का सामना करेंगी। यह सीरीज जिम्बाब्वे के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। उसकी टीम ने हाल में वेस्टइंडीज को वनडे मैच में हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई है। टीम की कप्तानी जोसेफिन नकोमो करेंगी। टी20 मैचों के बाद दोनों टीमें वडोदरा में तीन वनडे मैच खेलेंगी। दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मुकाबले 16, 18 और 20 अक्टूबर को रायपुर में खेले जाएंगे। इसके बाद 23, 25 और 28 अक्टूबर को वडोदरा में तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

कैसा रहा है मंधाना का टी20 करियर

साल 2013 में अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से मंधाना ने 179 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 31 की औसत और 127.47 के स्ट्राइक रेट से 4,867 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की इस सीरीज के दौरान बाएं हाथ की इस बल्लेबाज के पास इस ऐतिहासिक मुकाम को हासिल करने का बेहतरीन मौका होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत को मजबूत शुरुआत दिलाने में शीर्ष क्रम पर मंधाना की निरंतरता बेहद अहम होगी। मंधाना ने हरमनप्रीत कौर से कप्तान संभाली है, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में आची-नागोया एशियाई खेलों में भारत को सफलतापूर्वक खपन पदक जिताने के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। नई कप्तान अपने साथ रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु का नेतृत्व करने का अनुभव लेकर आ रही हैं, जिन्हें उन्होंने दो महिला प्रीमियर लीग के खिताब जिताए हैं। भले ही यह भारत की पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर मंधाना पहली सीरीज होगी, लेकिन वह इससे पहले अंतरिम तौर पर भी राष्ट्रीय टीम की कप्तान संभाल चुकी हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 24 रन से मिली हार के बाद भारतीय टीम की बल्लेबाजी पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि भारतीय बल्लेबाजों को लक्ष्य का पीछा करते समय अधिक जिम्मेदारी निभानी होगी। संजू सैमसन की शानदार शुरुआत के बावजूद भारतीय टीम 248 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। गावस्कर ने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के प्रदर्शन पर भी अपनी राय रखी।

गावस्कर के अनुसार, भारतीय टीम को सबसे पहले लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेकर खेलना होगा, तभी टीम को सफलता मिल सकती है। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, ‘भारतीय टीम को सबसे पहले लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा। भारतीय बल्लेबाजों को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर बल्लेबाज जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे तो भारतीय टीम को सफलता नहीं मिलेगी।’

उन्होंने लगातार दो टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम से उसी अंदाज में दबदबा बनाने की उम्मीद जताई। गावस्कर ने कहा, ‘भारतीय बल्लेबाजों को इस तरह से दबदबा बनाना होगा जैसा कि लगातार दो टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम को करना चाहिए लेकिन इस मैच में इसकी जरा सी भी झलक देखने को नहीं मिली।’भारतीय टीम को संजू सैमसन ने तेज अर्धशतक लगाकर अच्छे शुरुआत दिलाई थी। उन्होंने 56 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से बल्लेबाज इस शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके। गावस्कर ने इसी बात पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, ‘संजू ने



अर्शदीप हुए चोटिल

भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन बाकी बल्लेबाज इसका बिल्कुल भी फायदा नहीं उठा पाए। अभिषेक शर्मा ने खराब पारी खेली। उनके स्तर के हिसाब से यह स्वीकार्य नहीं है। ईशान किशन भी कीमो पॉल के जाल में पूरी तरह फंस गए। श्रेयस अय्यर शतक बनाने के बाद लय बरकरार नहीं रख पाए हैं।’ गावस्कर की इस टिप्पणी से साफ है कि उनके अनुसार, बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय सिर्फ एक या दो बल्लेबाजों का योगदान पर्याप्त नहीं है। शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों को अपनी भूमिका निभानी होगी।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 247 रन बनाए। हालांकि, गावस्कर ने भारतीय गेंदबाजों को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराने से परहेज किया। उनका मानना है कि टीम के गेंदबाज अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव हासिल कर रहे हैं और इस तरह के मुकाबलों से उन्हें सीखने का मौका मिलेगा। गावस्कर ने कहा, ‘मैं जानता हूं कि गेंदबाजी खराब रही है, लेकिन ये गेंदबाज अनुभवी नहीं हैं। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नए हैं और उन्हें इसी तरह से सीख मिलेगी।’

क्वार्टर फाइनल से हटे आर्थर, सेमीफाइनल में पहुंचे फोकिना

शंघाई । शंघाई मास्टर्स में आर्थर गेया का बेहतरीन प्रदर्शन चोट की वजह से अचानक रुक गया। गुरुवार को एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान उन्हें चोट लगी, जिसके कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा। सेमीफाइनल में फोकिना का मुकाबला अलेक्जेंडर ज्जेरेव और एलेक्स डी मिनीर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। फोकिना के खिलाफ मैच शुरू होने के महज 22 मिनट बाद ही गेया को बाहर होना पड़ा। वह दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे थे और उन्होंने फिजियो को बुलाया, जिसके बाद उन्हें तीन मिनट का मेडिकल टाइमआउट मिला। इसके बाद उन्होंने केवल तीन और प्वाइंट खेले और फिर 1-4 से पीछे रहने पर मैच छोड़ने का फैसला किया। फ्रांस के 21 वर्षीय खिलाड़ी गेया ने मंगलवार को दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी जैकब मेन्सिक को 7-6(4), 6-4 से हराकर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले, उन्होंने बेन शैल्टन को हराया था। एटीपी विनलॉस इंडेक्स के अनुसार, जुलाई के बाद से गेया ने अपने पिछले 15 टूर-लेवल मैचों में से 13 में जीत हासिल की है।

गेया अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में हिस्सा ले रहे थे और इस समय दुनिया के 56वें ??नंबर के खिलाड़ी हैं, जो उनके करियर की अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। 2026 में उनका प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। अगस्त में उन्होंने लॉस काबोस में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था और इसके बाद वह ‘लकी लुजर’ के तौर पर यूएस ओपन के चौथे राउंड तक पहुंचे थे। वहीं, पुरुष डबल्स में जैकब रनाइटर और मार्क वालनर की जोड़ी ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। उन्होंने टॉप सीड क्रिश्चियन हैरिसन और नील स्कूप्स्की को 7-6(5), 6-3 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

में बेलिंगहैम का लेफ्ट-फुट शॉट भी थोड़ा वाइड चला गया। दूसरे हाफ में रोमा ने फिर पकड़ बनाई। 51वें मिनट में मालेन ने गोल कर रोमा को 2-1 से आगे कर दिया और 58वें मिनट में उसी मालेन ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 3-1 कर दिया।

67वें मिनट में एमबाप्पे ने एक और गोल कर स्कोर 3-2 किया, लेकिन मामूली ऑफसाइड के कारण वीएआर ने उसे खारिज कर दिया। इसके बाद मोरिन्हो की टीम ने ऑल-आउट अटैक शुरू कर दिया। 83वें मिनट में पहला ब्रेकथ्रू मिला। अर्दो गुलर के कॉर्नर पर एड्रिंक ने हेड मारा, गोलिनी ने उसे रोक़ा, लेकिन रिबाउंड पर एस्मी ने गेंद को जाल में डाल दिया। स्कोर 3-2 हो गया। चार मिनट बाद फिर वही कॉम्बिनेशन-गुलर का कॉर्नर, एड्रिंक का हेडर-इस बार सीधा गोल में चला गया और स्कोर 3-3 हो गया। रियल मैड्रिड यहीं नहीं रुकी। 90वें मिनट में गुलर के एक और कॉर्नर पर एंटोनियो रुडिगर ने एक्रोबैटिक स्ट्राइक से गोल कर दिया। 1-3 से पिछड़ने के बाद मोरिन्हो की टीम ने 4-3 से जीत हासिल की।

248 रन भी नहीं बना पाए भारतीय बल्लेबाज! गावस्कर ने बताई टीम इंडिया की कमजोरी



अर्शदीप हुए चोटिल

भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन बाकी बल्लेबाज इसका बिल्कुल भी फायदा नहीं उठा पाए। अभिषेक शर्मा ने खराब पारी खेली। उनके स्तर के हिसाब से यह स्वीकार्य नहीं है। ईशान किशन भी कीमो पॉल के जाल में पूरी तरह फंस गए। श्रेयस अय्यर शतक बनाने के बाद लय बरकरार नहीं रख पाए हैं।’ गावस्कर की इस टिप्पणी से साफ है कि उनके अनुसार, बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय सिर्फ एक या दो बल्लेबाजों का योगदान पर्याप्त नहीं है। शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों को अपनी भूमिका निभानी होगी।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 247 रन बनाए। हालांकि, गावस्कर ने भारतीय गेंदबाजों को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराने से परहेज किया। उनका मानना है कि टीम के गेंदबाज अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव हासिल कर रहे हैं और इस तरह के मुकाबलों से उन्हें सीखने का मौका मिलेगा। गावस्कर ने कहा, ‘मैं जानता हूं कि गेंदबाजी खराब रही है, लेकिन ये गेंदबाज अनुभवी नहीं हैं। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नए हैं और उन्हें इसी तरह से सीख मिलेगी।’

शाई होप भारत के लिए

बन रहे हैं परेशानी

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने चौथे टी20 में सीरीज का अपना दूसरा शतक लगाया और टीम की जीत की नींव रखी। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी उनकी बल्लेबाजी की तारीफ की। पुजारा के अनुसार, होप जोखिम कम लेते हुए तेजी से रन बनाने में सफल रहे हैं।

पुजारा ने कहा, ‘सीमित ओवरों की इस सीरीज में होप भारत के लिए बड़ा सरदर्द रहे हैं। उनकी विशेषता यह है कि वह अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करते हैं और मौके का फायदा उठाते हैं। यही कारण है कि वे ज्यादा जोखिम उठाए बिना इतनी तेजी से रन बनाते हैं।’ भारत के लिए अब चुनौती अपनी बल्लेबाजी की गलतियों को सुधारने और होप जैसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाजों के खिलाफ बेहतर रणनीति बनाने की होगी।